दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 167 | ग्वालियर बुधवार 24 जून 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

झड़प के 7 दिन बाद झुका चीन

पूर्वी लद्दाख समेत विवाद वाली जगहों से धीरे-धीरे सैनिक पीछे हटेंगे

नई दिल्ली। गलवान में हिंसक झड़प के 7 दिन बाद आखिरकार भारत के दबाव के आगे चीन झुक गया। चीन सीमा में स्थित मॉल्डो में दोनों देशों के बीच लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की बातचीत हुई थी। सेना के मुताबिक, बातचीत अच्छे माहौल में हुई। पूर्वी लद्दाख में टकराव वाली जगह से दोनों देशों की सेनाओं को पीछे हटाने पर सहमति बनी है। डी-एस्केलेशन की प्रोसेस धीरे-धीरे होगी। यानी धीरे-धीरे दोनों देशों के सैनिक पीछे हटेंगे। इस बीच, चीन ने कहा है कि गलवान में हुई झड़प में उसके 40 सैनिक मारे जाने की बात झूठी है। चीन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे मंगलवार को लेह पहुंचे हैं। जनरल नरवणे ने मिलिट्री हॉस्पिटल में सैनिकों से मुलाकात की। 15 जून की रात गलवान में हिंसक झड़प के बाद सोमवार को भारत और चीन के बीच मॉल्डो में लेफ्टिनेंट जनरल लेवल की दूसरी मीटिंग 11 घंटे तक चली। भारत की ओर से मीटिंग में 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल

हरिंदर सिंह ने हिस्सा लिया। सूत्रों के मुताबिक, भारत ने इस बैठक में पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग त्सो इलाके से चीनी सैनिकों को हटाने की मांग की थी। भारतीय अफसरों ने गलवान में हुई हिंसक झड़प को चीन की सोची-समझी साजिश और क्रूर बताया था। भारत की मांग थी कि चीन लद्दाख में अपने सैनिकों की पोजिशन अप्रैल की यथास्थिति पर लाए। चीन की सेना ने पहली बार माना कि 15 जून को गलवान में हुई झड़प में उसके कमांडिंग ऑफिसर समेत 2 सैनिक मारे गए।

ह

जाबांज जवानों की आर्मी चीफ नरवणे ने थपथपाई पीठ

लद्दाख। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने मिलिट्री हॉस्पिटल में बहादुर सैनिकों से मुलाकात की है. वह आज ही दो दिवसीय दौरे पर लेह पहुंचे हैं. मिलिट्री अस्पताल में वे जवान भर्ती हैं जो 15-16 जून को गलवाान घाटी में चीनी सैनिकों से लोहा लेते घायल हुए थे. आर्मी चीफ ने इन बहादुर जवानों से बातचीत कर उनका हाल जाना और उनके जल्द ठीक होने की कामना की. आर्मी चीफ ने इन सैनिकों से उस रात हुए घटनाक्रम के बारे में भी जानकारी ली. आर्मी चीफ का लेह दौरा सही मायनों में अब शुरू होगा. मिलिट्री अस्पताल के बाद, वह कॉर्प्स के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह से मुलाकात कर सकते हैं. सिंह वही अधिकारी हैं जिनके साथ सोमवार को चीनी सेना के अधिकारी ने 12 घंटे तक बातचीत की थी. ले.

सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की तबीयत बिगड़ी

पार्टी कार्यक्रम में बेहोश होकर गिरीं

भोपाल। भोपाल से बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर भोपाल स्थित पार्टी ऑफिस में बेहोश होकर गिर गई हैं। वह काफी समय से बीमार चल रही हैं। पिछले दिनों ही वह भोपाल लौटी हैं। साध्वी प्रज्ञा का लंबे समय से दिल्ली एम्स में इलाज चल रहा था। श्याम प्रसाद मुखर्जी की प्रदर्शनी में शामिल होने गईं, साध्वी प्रज्ञा अचानक से पार्टी ऑफिस में बेहोश होकर गिर पड़ीं। उसके बाद पार्टी नेताओं ने उन्हें उठाकर कुर्सी पर बैठाया है। साध्वी प्रज्ञा को चेकअप के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उनकी आंख में दिक्कत है। एम्स में उसका ऑपरेशन हुआ है। भोपाल पहुंचले के बाद वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने लगी हैं। बीमारी की वजह से उन्हें लोग सहारा देते हैं, तो वह चल पाती हैं। भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा कोरोना महामारी के बीच कभी नजर नहीं आई थीं। अनलॉक होने के बाद वह दिल्ली से भोपाल पहुंची हैं। यहां पहुंचने के बाद योग दिवस के दिन भी बीजेपी ऑफिस में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने पार्टी ऑफिस में योग भी किया था। साध्वी प्रज्ञा की तबीयत जब बिगड़ी तो पार्टी ऑफिस में बीजेपी के कई बड़े नेता मौजूद थे।

पतंजलि को सरकार का झटका

कोरोना के इलाज का दावा करने वाली दवा का प्रचार रोकने निर्देश

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बाबा रामदेव की पतंजलि कंपनी को कोरोना वायरस की दवा का विज्ञापन बंद करने को कहा है. दरअसल, योग गुरु बाबा रामदेव ने कोरोनावायरस की दवा कोरोनिल को मंगलवार 23 जून को बाजार में उतार कर दावा किया कि आयुर्वेद पद्धति से जड़ी-बूटियों के गहन अध्ययन और शोध के बाद बनी यह दवा शत-प्रतिशत मरीजों को फायदा पहुंचा रही है. हालांकि कुछ घंटे के भीतर ही आयुष मंत्रालय ने मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए अहम फैसला लिया. पतंजलि योगपीठ के प्रमुख बाबा रामदेव ने इस दवा को लॉन्च करते हुए क्लिनिकल ट्रायल में इसके सफल परिणामों का दावा किया है. इस दवा को मंगलवार से ही बाजार में उतारने का दावा किया गया था. इस मामले पर सरकार ने पतंजलि से कहा है कि इसका प्रचार-प्रसार तुरंत बंद किया जाए. सरकार ने कहा कि अभी इस दवा की वैज्ञानिक जांच नहीं हुई है और सरकार को इस बारे में नहीं पता है, इसलिए अभी तत्काल प्रभाव से इसका प्रचार-प्रसार रोका जाए. पतंजलि के बालकृष्ण के मुताबिक, कोविड-19 आउटब्रेक शुरू होते ही साइंटिस्ट्स की एक टीम इसी काम में लग गई थी. पहले स्टिमुलेशन से उन कम्पाउंड्स को पहचाना गया तो वायरस से लड़ते और शरीर में उसका प्रसार रोकते हैं. पतंजलि सीईओ के अनुसार, सैकड़ों पॉजिटिव मरीजों पर इस दवा की क्लिनिकल केस स्टडी हुई, जिसमें 100 प्रतिशत नतीजे मिले. उनका दावा है कि कोरोनिल कोविड-19 मरीजों को 5 से 14 दिन में ठीक कर सकती है. कोरोना वायरस को हराने के लिए पतंजलि ने पहले चरण के सफल ट्रायल के बाद इस दवा को बनाने में सफलता हासिल कर ली. यह मुख्य रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और कोरोना वायरस के संक्रमण को शरीर में फैलने से रोकने का कार्य करेगी. इस बारे में डॉ. जयदीप आर्य ने ट्वीट करते हुए इस बात की जानकारी दी है कि यह औषधियां रेस्पिरेट्री सिस्टम से लेकर पूरे शरीर की ऊर्जा को संतुलित करती हैं एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं.

धूमधाम से निकाली गई भगवान जगनाथ की रथयात्रा

अहमदाबाद। हर साल की तरह इस बार भी भगवान जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली गई। जगन्नाथ मंदिर में रथयात्रा के दौरान पुरी के राजा गजपति महाराज ने सोने के झाड़ू से सफाई करके छेरा-पहंरा की रस्म अदा की। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ प्रतिबंधों के साथ कोरोना वायरस महामारी के बीच वार्षिक रथ यात्रा को आयोजित करने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक 500 से अधिक लोगों को रथ खींचने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके साथ ही लोगो ने बढ़-चढ़ कर भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल हुये।

पुलवाला में आतंकियों से मुठभेड़, सेना ने मार गिराए दो आतंकी, एक जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं और भारतीय सेना भी मुंहतोड़ जवाब दे रही है. कश्मीर के जिला पुलवामा में मंगलवार 23 जून को सुरक्षाबलों ने आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है. मुठभेड़ में सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ है. शहीद जवान की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुनील काले के तौर पर हुई है. यह जवान कश्मीर में सीआरपीएफ की 182 बटालियन में तैनात था. अभी यह ऑपरेशन समाप्त हुआ ही था कि उत्तरी कश्मीर के लोलाब में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई. हालांकि सुरक्षाबलों द्वारा की जा रही फायरिंग के बाद ये आतंकवादी वहां से मौका पाकर फरार हो गए, परंतु सेना का कहना है कि वे अभी लोलाब के जंगलों में ही छिपे हुए हैं.

भारत का पाकिस्तान को आदेश, तत्काल 50 फीसदी स्टाफ दूतावास से हटाएं, जासूसी करते हैं

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच डिप्लोमैटिक लेवल पर तनाव बढ़ गया है. मंगलवार शाम भारतीय विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान हाईकमीशन के अफसर को तलब किया. उन्हें आदेश दिया गया कि पाकिस्तान हाईकमीशन के स्टाफ में 50 फीसदी कटौती की जाए. भारत का आरोप है कि पाकिस्तान हाईकमीशन के कर्मचारी जासूसी जैसे गलत कामों में रंगे हाथों पकड़े गए हैं. खास बात ये है कि भारत भी इस्लामाबाद स्थित अपने हाईकमीशन में 50 फीसदी कटौती करेगा. भारत ने पाकिस्तान के

चार्ज डी अफेयर्स सैयद हैदर शाह को बताया कि पाकिस्तानी हाईकमीशन के स्टाफ का बर्ताव वियना कन्वेंशन की शर्तों को पूरा नहीं करता. खबरों के मुताबिक पाकिस्तान हाईकमीशन के स्टाफ को आधा करने को कहा गया है. विदेश मंत्रालय के अफसरों ने पाकिस्तान के चार्ज डी अफेयर्स (दूतावास संबंधी मामले देखने वाला सबसे बड़ा अफसर) को बताया कि पाकिस्तानी दूतावास के अफसर और कर्मचारी गैरकानूनी काम कर रहे हैं. इनमें जासूसी और आतंकी संगठनों से संपर्क शामिल हैं. अफसर को बताया गया कि 31 मई को दो कर्मचारियों को दिल्ली पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया था. पाकिस्तान के अफसर से कहा गया है कि 7 दिन में हाईकमीशन का स्टाफ 50 फीसदी किया जाए. पाकिस्तान की तरफ से अब तक इस बारे में कोई बयान नहीं आया है. डिप्लोमैटिक लेवल पर दोनों देशों के बीच तनाव 31 मई की शाम शुरू हुआ. दिल्ली में पाकिस्तान हाईकमीशन के दो अफसर जाली दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किए गए. पूछताछ में इन्होंने खुद को भारतीय बताने की कोशिश की. इनके पास से जासूसी से संबंधित जानकारी और दस्तावेज भी मिले.

मध्यप्रदेश में कोरोना की ग्रोथ रेट भारत में सबसे कम

अब हम कोरोना की पूरी तरह समाप्ति की ओर बढ़ें, इलाज में लापरवाही हुई तो दोषी को नहीं छोड़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की गति निरंतर धीमी होती जा रही है। मध्यप्रदेश की कोरोना ग्रोथ रेट घटकर 1.43 प्रतिशत हो गई है, जबकि गुजरात की ग्रोथ रेट 2.10, राजस्थान की 2.31, महाराष्ट्र की 2.96, पश्चिम बंगाल की 3.23, उत्तरप्रदेश की 3.82 तथा तमिलनाडु की 4.21 प्रतिशत है। भारत की कोरोना ग्रोथ रेट 3.63 प्रतिशत है। अब हमें कोरोना की प्रदेश में पूरी तरह समाप्ति की ओर बढ़ना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सख्त निर्देश दिए कि यदि किसी भी अस्पताल में कोविड मरीज के इलाज में थोड़ी भी लापरवाही हुई तो दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा, कड़ी कार्रवाई होगी। हमें एक-एक कोरोना मरीज की जान बचाना है।मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं

व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, डीजीपी श्री विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान और प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला उपस्थित थे। दतिया जिले की समीक्षा में पाया गया कि वहाँ कोरोना के 20 मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। दतिया जिला अब पूरी तरह संक्रमण मुक्त हो गया है। इसी प्रकार अलीराजपुर एवं उमरिया जिले भी संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। छिंदवाड़ा जिले की समीक्षा में पाया गया कि वहाँ कोरोना के 11 नए पॉजीटिव प्रकरण आए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि संक्रमित व्यक्तियों के सभी फर्स्ट कॉन्टेक्ट की ट्रेसिंग करवाकर उनकी जाँच की जाए। मुरैना जिले की समीक्षा में पाया गया कि वहाँ 23 नए कोरोना प्रकरण आए हैं। जिले के सीमा पार के राजस्थान के जिले धौलपुर में संक्रमण अधिक है तथा वहाँ आने-जाने से मुरैना में संक्रमण का खतरा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि इस संबंध में जनता को जागरूक किया जाए। क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक कर संक्रमण रोकने के संबंध में सभी आवश्यक उपाय किए जाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि हमें एक-एक कोरोना मरीज की जल्दी पहचान कर उनका इलाज करना है, जिससे प्रदेश में कोरोना से एक भी मृत्यु न हो। इसके लिए प्रदेश में कोरोना टेस्टिंग बढ़ाई जाए। वर्तमान में प्रदेश में 23 लैब टेस्टिंग कर रही हैं। हमारी टेस्टिंग क्षमता 6000 प्रतिदिन से अधिक है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने तत्कालीन सरकार द्वारा ठंडे बस्ते में डाली मुरैना, श्योपुर व ग्वालियर की

पेयजल आपूर्ति योजनाओं की मंजूरी के लिये मुख्यमंत्री के संग की समीक्षा

मुरैना। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से विस्तृत संवाद के बाद मुरैना, श्योपुर व ग्वालियर महानगर निगम क्षेत्र की जनता की प्यास बुझाने के लिये दीर्घकालीन पेयजल आपूर्ति योजना तैयार करवाकर राज्य सरकार को भिजवायी थी, लेकिन दुर्भाग्य से राज्य में कांग्रेस सरकार ने सत्तारूढ़ होते ही उक्त जनहितैषी योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था, लेकिन अब इस योजना के क्रियान्वयन की दिशा में मुरैना से सांसद तथा केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने नये सिरे से सक्रिय प्रयास शुरू कर दिये है। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने भोपाल प्रवास के दौरान मुरैना, श्योपुर व ग्वालियर की पेयजल आपूर्ति योजनाओं, सैनिक स्कूल, श्योपुर मूंजरी सिंचाई परियोजना, विजयपुर चेंटीखेड़ा सिंचाई बाँध परियोजना आदि विषयों पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित संबधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने उपरोक्त परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त करते हुए समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। इसके पहले केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने प्रदेश के मुखिया श्री शिवराज सिंह को अ.शा. पत्र भेजकर ग्वालियर महानगर की पेयजल आपूर्ति योजना के संबंध में आवश्यक शासकीय औपचारिकतायें पूरी कर शीघ्र भारत सरकार को भेजने का आग्रह किया है। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने संप्रेषित अर्द्धशासकीय पत्र में मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान का इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि ग्वालियर महानगर की अनुमानित आबादी 15 लाख है। वर्तमान में ग्वालियर महानगर क्षेत्र को 200 एमएलडी जल शोधन कर निगम क्षेत्र में प्रदाय किया जा रहा है, लेकिन आवश्यकता 215 एमएलडी की है। आगामी 10 वर्षों में यह जनसंख्या बढ़कर 26.5 लाख होना संभावित है। आज भी ग्रीष्म ऋ़तु में नागरिकों को एक समय ही पेयजल उपलब्ध हो पाता है और हर वर्ष पेयजल के लिये त्राहि-त्राहि रहती है। उन्होंने कहा है कि उपरोक्त कारणों से आपको वर्ष 2018 में अवगत कराये जाने पर आपसे हुयी चर्चा के उपरांत पेयजल के लिए दीर्घकालीन एवं स्थाई समाधान के लिए चंबल नदी से तिघरा डैम तक पानी लाने की योजना बनाई गई थी। परियोजना की डीपीआर राष्ट्रीय राजधानी परियोजना बोर्ड में प्रस्तुत योजना को 25 जुलाई 2018 को 398.45 करोड़ की विस्तृत परियोजना का 75 प्रतिशत, 298 करोड़ के रूप में उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई थी. केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार द्वारा ग्वालियर की उक्त ज्वलंत समस्या की अनदेखी की गई तथा उक्त परियोजना को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, यदि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने इस परियोजना पर जनहित को प्राथमिकता के साथ कार्यवाही की होती तो आज योजना पर काफी काम हो चुका होता और ग्वालियर के नागरिकों के मन में संतोष का भाव उत्पन्न होता, लेकिन ऐसा ना हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है तथा ग्वालियर की जनता के साथ घोर अन्याय हुआ है. केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने उपरोक्त महत्वपूर्ण परियोजना को क्रियान्वित किए जाने के उद्देश्य से ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति हेतु राष्ट्रीय राजधानी परियोजना बोर्ड द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव का प्रशासकीय अनुमोदन करने का अनुरोध करते हुए कहा है कि चंबल नदी का क्षेत्र घड़ियाल सेंचुरी के अंतर्गत आता है, इसलिए राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में उपरोक्त विषय की अनुशंसा कर राष्ट्रीय वन्य प्राणी बोर्ड, नई दिल्ली को भिजवायेंगे तो भारत सरकार से अनापत्ति जारी करवाने की कार्यवाही सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ की जा सकेगी, जिसके फ्लार्थ इस कार्य को मूर्त रूप दिया जा दिया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये

मुख्यमंत्री चौहान ने विद्यार्थियों के हित में लिया बड़ा निर्णय

स्नातक प्रथम, द्वितीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को अगली कक्षा में दिया जाएगा प्रवेश

मुरैना। कोरोना संकट के मद्देनजर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अब स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को बिना परीक्षा दिए उनके गत वर्ष/सेमेस्टर के अंकों/आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर अगली कक्षा/सेमेस्टर में प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षार्थियों के पूर्व वर्षों/ सेमेस्टर्स में से सर्वाधिक अंक प्राप्त परीक्षा परिणाम को प्राप्तांक मानकर अंतिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किये जाएंगे। ऐसे परीक्षार्थी जो परीक्षा देकर और सुधार चाहते हैं, उनके पास परीक्षा देने का विकल्प भी रहेगा। वे आगामी घोषित तिथि पर ऑफ्लाइन परीक्षा दे सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान सोमवार को मंत्रालय में कोरोना के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के संचालन तथा शालाओं को प्रारंभ करने के संबंध में बैठक ले रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरूण शमी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में शालाओं को खोलने के संबंध में 31 जुलाई को समीक्षा कर निर्णय लिया जाएगा। 12वीं कक्षा के ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश 12वीं की परीक्षा नहीं दे पाए हैं उनके लिए एक बार फिर परीक्षा आयोजित होगी। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने बताया कि अगले हफ्ते से बच्चों को किताबों का वितरण कराने की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में वर्तमान शैक्षणिक सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कुल 17 लाख 77 हजार परीक्षार्थी हैं। इनमें स्नातक प्रथम वर्ष में 5 लाख 25 हजार 200, स्नातक द्वितीय वर्ष में 5 लाख 7 हजार 269, स्नातक तृतीय वर्ष में 4 लाख 30 हजार 298, स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर में एक लाख 72 हजार 634, स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर में एक लाख 41 हजार 599 परीक्षार्थी हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में परीक्षार्थियों की कुल संख्या 3 लाख 47 हजार 554, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर में 2 लाख 63 हजार 5, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में एक लाख 83 हजार 37, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में 2 लाख 25 हजार 197, महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर में 01 लाख 52 हजार 230, देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय में 3 लाख 55 हजार 379, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में एक लाख 97 हजार 901 तथा छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय में 54 हजार 697 विद्यार्थी हैं। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने बताया कि प्रदेश में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं सम्पन्न हो चुकी है, 10वीं के परिणाम जुलाई के प्रथम सप्ताह में तथा 12वीं के परिणाम जुलाई के तृतीय सप्ताह में संभावित है। प्रदेश में लॉकडाउन की अवधि में रेडियो, टी.वी. एवं मोबाइल के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही है।

गरीब महिलाओं की कर्ज माफी के लिए ज्ञापन दिया

इंदौर। वरिष्ठ जमीनी कांग्रेसी नेता जीतू दीवान के नेतृत्व में आज इंदौर संभाग आयुक्त को ज्ञापन दिया गया। मंगलवार।ज्ञापन में कहा गया है कि तालाबंदी के दौरान सभी प्रकार के रोजगार धंधे पूरी तरीके से ठप थे प्राइवेट बैंकों से लोन लेने वाली महिलाओं पर बैंक व कर्मचारी 3 महीने की किस्त देने के लिए दबाव बना रहे हैं ऐसे दबाव बनाने वाले बैंकों का लाइसेंस निरस्त किया जाए और बैंक संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इस प्रकार की मांग ज्ञापन में लिखी गई है। साथ ही तालाबंदी के दौरान किसी भी प्रकार का रोजगार या काम धंधा नहीं चला आमदनी नहीं हुई तो बैंकों का कर्ज कहां से देंगे साथ ही कमिश्नर व कलेक्टर महोदय से ज्ञापन में मांग की गई है कि तालाबंदी के दौरान की सभी किस्ते माफ की जाए।

भैसों को चारा खिला रही थी महिला, पीछे से आरोपी ने पकड लिया

दिनारा जिले के करैरा अनुविभाग के दिनारा थाना क्षेत्र के ग्राम सहरया में खेत पर काम कर रही एक 34 वर्षीय महिला के साथ गांव के एक युवक ने छेड़छाड़ कर दी। जिसकी शिकायत पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा 354 सहित 354(घ) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय बबीता (परिवर्तित नाम) सहरया गांव में स्थित अपने खेत पर गई थी। जहां वह भैंसो को सानी चारा खिला रही थी। उसी समय आरोपी टिंकू पुत्र देवप्रसाद राय निवासी सहरया खेत पर आया और उसने पीड़िता को अकेला देखा और उसे पकड़कर उसके साथ अशील हरकतें कर दी। पीड़िता ने जब चीखना शुरू किया तो आरोपी मौके से भाग गया।

चीनी राष्ट्रपति का पुतला दहन किया

जगनेर। चाऊ माऊ चीनी मिल किस में दम है टकराव जगनेर में चीनी भारत सरकार से मांग की कि हमसे सभी प्रकार के समय समाप्त किए जाएं सेना का मनोबल प्रत्येक भारतवासी चीन के सामान का भविष्य कार का आदेश का पालन करते हुए अपने देश की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दें 1962 मैं कांग्रेस ने जो जमीन खैरात मे चीन को दी आज वह भारत सरकार से हिसाब मांग रहे हैं प्रत्येक भारतीय भारत सरकार और भारत की आर्मी के चीन की आर्थिक स्थिति को तोड़ने में चीन के सामान का बहिष्कार कर उसको घुटनों पर ला सकते हैं चीन भारत के सामने टिकने वाला नहीं है क्योंकि वह भारत से हीअपनी रोजी रोटी कमाता है चीन के जितने भी मोबाइल ऐप युवा अपने अकाउंट से डिलीट करें राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि हम भारत सरकार के साथ है उन्होंने कहा चीन से सभी प्रकार की आर्थिक संबंध समाप्त किए जाएं एक के बदले 10 सदस्य के बदले 200 सिर लिए जाएं जिला महामंत्री राम लखन परमार जिला गोरक्षा प्रमुख रवि परिहार जिला उपाध्यक्ष संदीप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड संपर्क प्रमुख ऋषि परमार जिला उपाध्यक्ष रुपेश परमार संजय परमार बीके जादौन भावेश सिकरवार

मप्र निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नप में प्रशिक्षण आयोजित

दबोह। मंगलवार को नगर परिषद दबोह में मप्र निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार प्राधिकृत कर्मचारी,पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।प्रशिक्षण दीपक शर्मा,अजमेर सिंह कौरव मास्टर ट्रेनर द्वारा दिया गया।प्रशिक्षण में 01 जुलाई 2020 से 09 जुलाई 2020 तक चलने वाले मतदाता सूची पुनरीक्षण के संदर्भ में जानकारी समस्त प्राधिकृत कर्मचारियों को उपलब्ध कराई गई। श्वक्र1,श्वक्र2,श्वक्र3 को भरने व प्राप्त करने के संदर्भ में अत्यंत बारीकी से समझाया गया। शराफत खान,कमलेश झा द्वारा निर्वाचन कार्य मे अपेक्षित सावधानी बरतने के बारे में बताया गया।प्रशिक्षण के अंत मे मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर द्वारा सभी उपस्थित लोकसेवकों को मार्गदर्शन दिया।यहां बता दें कि दिनांक 01 जुलाई 2020 से दिनांक 09 जुलाई 2020 तक 01 जनवरी 2020 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले वयस्क नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए अपने वार्ड के प्राधिकृत कर्मचारी को आवेदन प्रस्तुत कर सकतें हैं।इसीप्रकार मतदाताओं के नाम , जन्मतिथि,लिंग,सम्बन्ध में होने वाली त्रुटियों के लिए व नामावली से नाम हटाने के लिए भी आवेदन दे सकते हैं।

गोरमी पुलिस ने जुआ खेलते हुए 9 लोगो को पकड़ा,टीआई मनोज राजपूत की कार्यवाही

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में जिले में चलाए जा धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार कंचन व एसडीओपी मेहगांव वीरेन्द्र तोमर के मार्गदर्शन में गोरमी टीआई मनोज राजपूत को हारजीत का दाव लगाते हुए जुआरियों को पकड़ने में सफलता हासिल हुई हैद्ध विदित रहे कि गोरमी थाना प्रभारी मनोज राजपूत को मुखबिर से सूचना मिली कि सीताराम की लावन में जुआ खेला जा रहा है, सूचना मिलते ही टीआई मनोज राजपूत ने मय बल के सीताराम की लावन में जुआ खेल रहे लोगो को चारों तरफ से घेरा बंदी कर के पकड़ लिया। पुलिस ने जुआ खेलते 9 जुआरियों को पकड़ा है, जिनमें रविन्द्र, गोविंद, कल्लू, शिवचरण, प्रमोद, सुनील, चन्द्रेश, जहांन सिंह, रामौतार शामिल हैद्ध उक्त जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने 15 हजार 120 रुपये नगद, तास की गड्डी बरामद की है। पुलिस ने सभी पर जुआ एक्ट के तहत कर्यवाही की हैद्ध उक्त कार्यवाही में गोरमी टीआई मनोज राजपूत, एसआई सुरजीत तोमर, आरक्षक पंकज शुक्ला, आरक्षक कौशलेंद्र, आरक्षक अमृत, आरक्षक रामौतार, कल्लू, विकास, सौरव की सराहनीय भूमिका रहीं है।

चंबल कमिश्नर की अध्यक्षता में बैठकें आज

मुरैना। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में ूल जून ू0ू0 बुधवार को प्रातः अअ बजे कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में उद्यो- एवं व्यापार केन्द्र, खादी एवं पिछड़ा वर्ग अल्प संख्यक कल्याण, अन्तव्यवसायी एवं आदिवासी वित्त विकास नि-म की संभा-ीय समीक्षा बैठकें आयोजित होगी। इसके बाद द्वितीय सत्र में अपरान्ह 2.30 बजे से आवकारी, परिवहन, खनिज एवं पंजीयक एवं मुद्रांक विभा-ों की समीक्षा की जाये-ी।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

मुरैना। जौरा में पूर्वविधायक सूबेदार सिंह रजोदा ने भारतीय जन संघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी. की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजन किया गया सर्वप्रथम उनके चित्रपर माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित की गई इस अवसर पर पूर्व विधायक सूबेदार सिंह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन 23 जून को आज ही के दिन साल 1953 में हुआ था. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जवाहरलाल नेहरू से अलग होकर 1951 में भारतीय जन संघ की नींव रखी थी. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने के खिलाफ थे. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने साल 1953 में बिना परमिट के कश्मीर का दौरा किया, जहां उन्हें जम्मू-कश्मीर की तत्कालीन शेख अब्दुल्ला सरकार ने गिरफ्तार कर लिया था. इसी दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हम सबके आदर्श है . बीजेपी का आज भी ये प्रमुख नारा है जहां हुए बलिदान मुखर्जी वो कश्मीर हमारा है, जो कश्मीर हमारा है, वह सारा का सारा है इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता,भोलाराम बाथम,आशाराम कुशवाह, सगुन चन्द्र जैन,प्रकाश त्यागी , अनूं व्यास सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे

कोरोना वायरस जैसी महामारी में स्व-सहायता समूहों का रहा अनुकरणीय योगदान

मुरैना। कोरोना संक्रमण जैसी वैश्विक महामारी के कारण मुरैना ही नहीं देश, विदेशों में भी इस बीमारी से हाहाकार मचा हुआ है। इस महामारी काल में मुरैना जिले के 10 स्व-सहायता समूहों ने 31 हजार 230 मास्क बनाकर लोंगो को कोरोना वायरस से बचाने का काम ही नहीं किया, बल्कि समूह की गरीब महिलाओं को रोजगार देने का भी कार्य किया है। मुरैना जिले में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा पिछले वर्ष ग्राम नूरावाद में 10 स्व-सहायता समूहों का गठन किया गया था। समूह में ऐसी महिलाओं को शामिल किया गया था, जो कुछ हुनर सीखकर अपने परिवार के घर खर्च में सहयोग करना चाहती थी।

(कहानी सच्ची है)

एन.आर.एल.एम. के मैदानी कर्मचारियों ने इन महिलाओं को शिक्षित किया। शिक्षित होने के बाद इन महिलाओं ने के समूहों ने एक-एक लाख रूपये की राशि एकत्रित की। जब मार्च माह में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता गया, तब देश एवं प्रदेश के साथ-साथ मुरैना जिले में संपूर्ण ढ़ाई माह लॉकडाउन रहा। लॉकडाउन के समय व्यक्ति को सावधानी बरतने के लिये बार-बार हिदायत दी जा रही थी। इस दौरान 10 समूहों ने बैंक से एक-एक लाख रूपये की राशि निकालकर सभी ने मास्क बनाना शुरू किये। जिसमें मां शीतला स्व-सहायता समूह 88 ने 1890, स्व-सहायता समूह 83 ने 2450, स्व-सहायता 90 ने 1000, स्व-सहायता समूह 91 ने 1200, स्व-सहायता समूह 89 ने 16890, स्व-सहायता समूह 87 ने 400, स्व-सहायता समूह 84 ने 2289, स्व-सहायता समूह 86 ने 2831, मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह ने 1680 और श्रीराम स्व-सहायता समूह ने 600 मास्क बनाकर बाजार में 10 रूपये मास्क बेचकर आमदनी प्राप्त की। कुछ मास्क शासकीय, अद्धशासकीय कार्यालयों में भी वितरित किये गये। समूहों की महिलाओं द्वारा लोंगो से अपील की, कि कोरोना से बचना है तो सावधानी बरतें। जब लोग जागरूक हुये और मास्क का उपयोग करने लगे तब जिले में कोरोना का संकट कम हुआ और अधिक मास्क बिचने से समूहों का अच्छी खासी आमदनी होने लगी तो महिलाओं ने और तेजी से मास्क बनाने का काम शुरू किया। समूह की अध्यक्ष द्रोपदी बाथम बतातीं है कि पैसे के अभाव में समूह की महिलायें पूर्णतः काम नहीं कर पा रहीं थी, किन्तु बैंक से पैसा आहरित होने के बाद उनके हौंसले बढ़ने लगे। अभी तक 31230 मास्कों को तैयार कर विक्रय कर दिये गये है। विक्रय की राशि से समूहों को प्रतिदिन 300-400 रूपये शुद्ध लाभ अर्जित दिया। मां शीतला स्व-सहायता समूह क्रमांक 89 की महिलाओं ने 16 हजार 840 रूपये का लाभ प्राप्त किया। समूह की महिलाओं को अच्छी आमदनी मिलने से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार एवं घर गृहस्थी के खर्चे आसान हुये है।

कोविड 19 के संकट काल में नागरिकों को विभिन्न योजनाओं में 38 हजार करोड़ की प्रत्यक्ष राहत

मुख्यमंत्री चौहान की उपस्थिति में मंत्रीमंडल सदस्यों को दी गई विस्तृत जानकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में मंत्री मंडल सदस्यों को विद्युत उपभोक्ताओं और नागरिकों को कोविड 19 के संकट में विभिन्न योजनाओं में दिए आर्थिक लाभ और राहत की जानकारी विस्तार से दी गई। मंत्री सर्वश्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, तुलसी सिलावट, कमल पटेल, गोविंद सिंह राजपूत और सुश्री मीना सिंह बैठक में उपस्थित थी। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के कारण आर्थिक क्षेत्र प्रभावित हुआ है। लोगों की तकलीफ को कम करने के लिए राज्य सरकार ने समय पर प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए उन्हें राहत पहुँचाते हुए राशियों के ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की। इससे कोविड-19 के संकट काल में आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। लॉक डाउन अवधि में समाज के विभिन्न वर्गों तक राहत के लिए राशि का भुगतान किया गया। प्रमुख रूप से 24 विभागों ने छात्रवृत्ति, पेंशन, श्रमिक और किसान कल्याण योजनाओं में 38 हजार करोड़ रुपए की राशि पहुंचाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कुछ अवसरों पर खुद सहारिया, बैगा, भारिया आदिवासियों सहित प्रवासी श्रमिकों, छात्रों और विभिन्न योजनाओं के अन्य हितग्राहियों से विभिन्न वीडियो कांफ्रेंस से संवाद करते हुए उनके

खाते में राशि जमा करवाई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 562.34 करोड़, तीन विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 44.60 करोड़, मुख्यमंत्री प्रवासी मजदूर सहायता योजना में 14.81 करोड़, श्रम सिद्धि अभियान और मनरेगा के अंतर्गत 1862 करोड़, फसल बीमा योजना के 2981 करोड़, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना जो भारत सरकार की योजना है, में 1500 करोड़, स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्यान्ह भोजन योजना में 87.49 लाख विद्यार्थियों को 263 करोड़ और रसोइयों के खातों में 84 करोड़ की राशि दी गई। इसी तरह छात्रवृत्ति की योजनाओं में 51 लाख विद्यार्थियों को 475.30 करोड़ दिए गए। गेहूँ उपार्जन के फलस्वरुप करीब 16 लाख किसानों को 24,000 करोड़ की राशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही चना सरसों और मसूर की खरीदी पर लगभग 3 लाख किसानों को 2762 करोड़ रुपए की राशि दी गई। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 477 करोड़, संबल योजना में 24 हजार से अधिक हितग्राहियों को 137.41 करोड़, करीब नौ लाख निर्माण श्रमिकों 177 करोड़ की राशि दी गई। प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना में 36 करोड़ की राशि दी गई।अलाडली लक्ष्मी योजना में 12.27 करोड़, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान निधि में 8.24 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरी क्षेत्र के लिए 82.41 करोड़ और ग्रामीण क्षेत्र के लिए 451 करोड़ की राशि दी गई। अध्यात्म विभाग द्वारा शासकीय देव स्थानों के पुजारियों के लिए 6 करोड़, बिजली उपभोक्ताओं को 623 करोड़ की राशि प्राप्त हो रही है। इसके अलावा जीवन अमृत योजना में दवा और काढ़ा वितरण पर 35 करोड़ की राशि प्रदान की गई। अन्य योजनाओं में पंच-परमेश्वर योजना में 70 करोड़, निराश्रितों, प्रवासी मजदूरों को खाद्यान्न प्रदाय पर 120.96 करोड़, कोराना संकट के फलस्वरूप अन्य प्रदेशों से आए मजदूरों के राहत शिविरों के प्रबंध के लिए जिलों को 21 करोड़ के आवंटन के साथ ही प्रवासी श्रमिकों की परिवहन व्यवस्था के लिए 47 करोड़ दिए गए। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को खाद्यान्न आपूर्ति और अग्रिम राशन प्रदाय की व्यवस्था की गई। कुल 7.71 लाख मीट्रिक टन गेहूँ और चावल वितरित किया गया। राज्य सरकार ने पंच-परमेश्वर योजना में 1555 करोड़ की राशि और 15वें वित्त आयोग में नगरीय निकायों को 330 करोड़ रूपये आवंटित किये गए। इसके साथ ही अध्यात्म विभाग द्वारा मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए दी गई राशि 2.46 करोड़ शामिल है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को कोविड-19 के संकट के समय बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। इनके अन्तर्गत विभिन्न श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को लाभांवित करने का कार्य प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लॉकडाऊन अवधि में नागरिकों को बिजली के बिलों के बोझ से बचाते हुए राहत प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक अभियान संचालित कर उपभोक्ताओं तक इस फैसले की जानकारी पहुंचाई जाये। कहीं उपभोक्ताओं की समस्या सामने आये तो उसका निराकरण किया जाये। इसके अनुसार 30.68 लाख संबल योजना के हितग्राही जिनके अप्रैल महीने के बिजली के बिल की राशि 100 रूपये तक है, उन्हें मई, जून और जुलाई महीनों में 100 रूपये तक का बिल आने पर सिर्फ 50 रूपये प्रतिमाह देना होगा। यह छूट राशि 46 करोड़ रूपये है।

मुख्यमंत्री चौहान ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर किया नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुखर्जी तिराहे पर उनकी प्रतिमा पर नमन कर आदरांजलि प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रहित में दिए योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर अनेक नागरिकों ने भी पुष्प-सुमन अर्पित किए।

कोरोना महामारी में आर्थिक सहयोग देने के बजाय लोगों को पेट्रोल, डीज़ल से लूट रही है सरकार

बढ़ते पेट्रोल, डीज़ल के दामों के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी मे कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में बढ़ते पेट्रोल, डीज़ल के दामों के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओ ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर हाथ ठेले पर दो पहियां वाहन रखकर रैली निकालते हुए अपना आक्रोश जताया। रैली का समापन डीबी मॉल पर किया गया इस दौरान विधायक आरिफ मसूद दो पहियां वाहन को हाथ से धका कर चल रहे थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में नारे लिखी तख्तियां ले रखी थी, जिसमें "मोदी अब तो चुप्पी तोड़ो, बढ़ते पेट्रोल, डीज़ल के दाम पर कुछ तो बोलो", "झेलो अब पेट्रोल, डीज़ल पर महंगाई की मार, आ गई मोदी सरकार"आदि स्लोगन लिखे थे। विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि जबसे केन्द्र में भाजपा की मोदी सरकार आई है, जबसे महंगाई लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर (कोविड-19) के चलते लॉकडाउन के बाद विपरीत परिस्थितियों में जहॉ रोज़गार के चलते आमजन परेशान है, ऐसे में निरंतर केन्द्र सरकार द्वारा रोज़ाना पेट्रोल, डीज़ल के दाम बढ़ाए जा रहे हैं, जिसके कारण आम जनता पर महंगाई का भारी बोझ पड़ रहा है। आगे विधायक मसूद ने कहा कि देश के लोगों को 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज का सपना दिखाकर मोदी जी पेट्रोल व डीज़ल के दामों में वृद्धि कर कच्चे तेल के दाम के आधार पर सस्ता डीजल व पेट्रोल देश के लोगों को उपलब्ध कराएं। मोदी सरकार चंद उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है, ग़रीब जनता पर पेट्रोल डीज़ल का बोझ डाल कर ग़रीब जनता को लूट रही है, वहीं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा पेट्रोल, डीज़ल पर अत्यधिक टैक्स लगा कर अपना खज़ाना भरने में लगे हैं।

सितम्बर-2019 के बकाया बिजली बिल 18 लाख की वसूली

भोपाल । औद्योगिक क्षेत्र गोविन्दपुरा स्थित मेसर्स दौलत राम इंडस्ट्रीज के सितम्बर-2019 के बकाया बिजली बिल की वसूली के लिये मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सम्पत्ति कुर्क करने की कार्यवाही की है। गौरतलब है कि सितम्बर 2019 में मेसर्स दौलत राम इंडस्ट्रीज के उच्चदाब कनेक्शन पर बकाया राशि 15 लाख एवं निम्नदाब कनेक्शन पर बकाया 3 लाख रुपये कंपनी में जमा नहीं करने के कारण उपमहाप्रबंधक (वाणिज्य) एवं अतिरिक्त तहसीलदार (वसूली) द्वारा कुर्की नोटिस जारी कर संपत्ति सील कर अधिगृहित कर ली गई थी।

मोबाइल एप के माध्यम से आँगनवाड़ी केन्द्रों की गतिविधियों की निगरानी

भोपाल। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा आँगनवाड़ी केन्द्रों द्वारा दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उनकी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित वास्तविक समयबद्ध निगरानी के लिये कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर ष्ट्रस् का उपयोग किया जा रहा है। इस मोबाइल एप के माध्यम से आँगनवाड़ी केन्द्रों में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी दर्ज की जाती है। प्रदेश में अब तक कुल 16 जिलों में 27 हजार 817 स्मार्ट फोन, सिम, एस.डी. कार्ड, इंटरनेट डाटा प्लान उपलब्ध करवाया जा चुका है। शेष 36 जिलों की 69 हजार 318 आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों को इस सॉफ्टवेयर के उपयोग का चरणबद्ध रूप से जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के उपयोग के लिये है। इसके संचालन के लिये प्रत्येक कार्यकर्ता को एक स्मार्ट फोन एवं सिम कार्ड प्रदान किया गया है। इस एप्लीकेशन से आँगनवाड़ी केन्द्र में पंजीकृत सभी बच्चों एवं गर्भवती और धात्री माताओं के नाम दर्ज होते हैं। इस एप्लीकेशन के माध्यम से आँगनवाड़ी केन्द्र की जानकारी वास्तविक समय में उच्च स्तर तक देखी जा सकती है। इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के आने से आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दस अलग-अलग रजिस्टर से मुक्ति मिली है। एप के माध्यम से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा केन्द्र खोला है या नहीं, कौन-सा बच्चा कुपोषित है और उसे क्या सेवा दी जा रही है, इसकी जानकारी पर्यवेक्षक से लेकर राज्य स्तर तक देखी जा सकती है।

विद्यार्थियों को जनरल प्रमोशन छात्र शक्ति की जीत है - सज्जन सिंह वर्मा

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने शिवराज सरकार द्वारा कॉलेज के विद्यार्थियों को जनरल प्रमोशन दिए जाने को छात्र शक्ति की जीत बताया है। उन्होंने कहा की प्रदेश के विद्यार्थी पिछले 2 महीने से लगातार इसकी मांग कर रहे थे। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से संक्रमित है तथा पूरे भारत देश में इस बीमारी का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है ऐसे में विद्यार्थियों की परीक्षाएं लेना शिवराज सरकार का अपरिपक्व को निर्णय था। लगातार विद्यार्थियों के विरोध तथा एनएसयूआई के लगातार विरोध के चलते सरकार को अपने इस निर्णय से पीछे हटना पड़ा और अंततः सभी विद्यार्थियों को जनरल प्रमोशन दिया गया। श्री वर्मा ने कहा कि पूर्व में भी अनेकों अवसर पर मैंने सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार सरकार पर इस हेतु दबाव बनाया लेकिन हमेशा की तरह सरकार अपनी छात्र विरोधी नीतियों पर अड़ी रही। जब पूरे प्रदेश में विद्यार्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता गया और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के लाखों विद्यार्थी इस मुहिम में शामिल हुए तब जाकर सरकार को अपने तानाशाही निर्णय से पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार लगातार छात्र विरोधी फैसले लेती रही है, पूर्व में छात्रों के हित को दरकिनार कर प्रदेश का सबसे बड़ा व्यापम घोटाला भी इसी सरकार की देन है। विद्यार्थी इस सरकार की हकीकत को पहचान चुके हैं और आने वाले समय में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यही छात्र शक्ति इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

मोदी सरकार की उपलब्धियां बताएंगे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

25 जून को वर्चुअल रैली को करेंगे संबोधित

भोपाल । भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 25 जून को वर्चुअल रैली के माध्यम से प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं, प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित करेंगे। नड्डा की यह वर्चुअल रैली उस अभियान का हिस्सा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश में चलाया जा रहा है। नड्डा 25 जून को दोपहर 3 बजे से वर्चुअल रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान नड्डा

पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों प्रबुद्धजनों एवं आम नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। प्रदेश संगठन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष की वर्चुअल रैली को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शर्मा ने कहा कि मंडल स्तर पर विभिन्न वाट्सअप ग्रुपों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्ग इस रैली से जुड़ेंगे। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की वर्चुअल रैली से कम से कम एक करोड़ लोगों को जोडने का लक्ष्य रखा है। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की वर्चुअल रैली आयोजित की गई थी।

बिजली बिलों में 623 करोड़ की राहत का फैसला

भोपाल । प्रदेश की भाजपा सरकार ने 95 लाख बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में 623 करोड़ रुपये की राहत देने का फैसला किया है। राज्य सरकार के फैसले के तहत मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना %संबल% में शामिल उपभोक्ताओं के बिल अप्रैल में सौ रुपये तक आए हैं, अब उन्हें आगामी तीन माह तक 50-50 रुपये ही बिल भुगतान करना होगा। इसी तरह मई, जून और जुलाई में जिनका बिल सौ से चार सौ रुपये तक आया, उन्हें सौ रुपये ही देना होंगे। जिन उपभोक्ताओं ने अधिक राशि के बिल यदि जमा भी कर दिए हैं, तो उनका समायोजन आगामी बिलों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल वेब लिंकिंग के माध्यम से प्रदेश के दस लाख से ज्यादा घरेलू, कृषि और औद्योगिक बिजली उपभोक्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने बिजली उपभोक्ताओं से कहा कि 30 लाख 68 हजार से ज्यादा संबंल योजना के हितग्राहियों से 50 रुपये के हिसाब से ही तीन माह तक बिजली बिल लिए जाएंगे। इन उपभोक्ताओं को 46 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। वहीं, जिन उपभोक्ताओं के बिल अप्रैल में सौ रुपये आए लेकिन मई, जून और जुलाई में सौ से चार रुपये के बीच आए, तो उन्हें भी सिर्फ सौ रुपये के हिसाब से ही भुगतान करना होगा। इससे 56 लाख उपभोक्ताओं को 255 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। मई, जून और जुलाई में चार सौ रुपये से अधिक बिल आता है तो ऐसे उपभोक्ता को आधी राशि ही जमा करनी होगी।

संपादकीए

नेपाल की सनक

बीते कई दिनों से भारत के खिलाफ खड़े दिखाई दे रहे नेपाल ने अब अपने एफएम चैनल्स पर भारत विरोधी गानों का प्रसारण शुरू कर दिया है। चीन और भारत के बीच उपजे तनाव के बीच नेपाली एफएम चैनल भारत विरोधी गाने बजाकर लिपुलेख और कालापानी के इलाकों को भारत से वापस मांगने की बात कह रहे हैं। इन गानों का प्रसारण धारचुला एफएम समेत कुछ और चैनलों पर हो रहा है, जिसे उत्तराखंड के तमाम पर्वतीय इलाकों में सुना जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस वक्त नेपाल पूरी तरह से चीन के प्रभाव में है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन के इशारे पर चल रहे हैं। ओली के सत्ता में आने के बाद से नेपाल में चीनी का दखल तेजी से बढ़ा है। चीन ने नेपाल में कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इसके पीछे चीन का मकसद नेपाल के रास्ते भारत की घेरेबंदी करना ज्यादा है। पिछले कुछ समय से भारत के खिलाफ नेपाल जिस आक्रामकता के साथ कदम बढ़ाता जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, इससे क्षेत्र में अशांति का एक और रास्ता खुल गया है। हाल में नेपाल ने अपना नया राजनीतिक और भौगोलिक नक्शा बना कर उसे संसद के जरिए पारित करवाने की कवायद तेज कर दी है। बीते शनिवार को नेपाल सरकार ने इसे निचले सदन में पेश किया था। वहां से मंजूरी मिलने के बाद अब नेपाली संसद के उच्च सदन ने इस प्रस्तावित नक्शे को मंजूरी देने के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक का समर्थन कर दिया है। इससे यह तो साफ हो ही गया है कि नेपाल इस नए नक्शे को संसद से मंजूरी दिलवा कर देश का जो नया आधिकारिक नक्शा जारी करेगा, उसमें कालापानी और लिंपियाधुरा नेपाल के हिस्से के रूप में दिखेंगे। नेपाल के इस कदम से कुछ हो या न हो, लेकिन दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास की जो शुरुआत हो गई है, वह शायद ही कभी दूर हो। दुख की बात यह है कि नेपाल यह समझ नहीं पा रहा कि जिस एकमात्र और सबसे करीबी पड़ोसी भारत से उसके सदियों पुराने रिश्ते रहे हैं, उसी के खिलाफ वह इस तरह की पलटी मार कर क्या हासिल कर लेगा। कहना न होगा कि भारत ने हमेशा हर तरह से नेपाल का साथ दिया है, संकट में उसके साथ खड़ा रहा है, फिर भी नेपाल चीन के इशारे पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है, वह भी बेबुनियादी मुद्दों पर। नेपाल को इस वक्त लग रहा है कि भारत चीन और पाकिस्तान से घिरा हुआ है। ऐसे में कालापानी और लिंपियाधुरा को उससे हथियाया जा सकता है। पर ऐसा सोचना नेपाल की बड़ी भूल होगी। नेपाल जिन इलाकों पर दावे कर रहा है, वे भारत का ही हिस्सा हैं। इस तथ्य को चीन और नेपाल अच्छी तरह समझते हैं। लेकिन अब नेपाल क्षेत्रों पर अनधिकृत दावे कर उन्हें विवादित बनाने की चीन की रणनीति पर चल निकला है। कालापानी क्षेत्र को लेकर हकीकत यह है कि भारत में होते हुए भी इस क्षेत्र को लेकर नेपाल ने भ्रम की स्थिति बना रखी है। दो सौ साल पहले ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाली शासकों के बीच जो सुगौली संधि हुई थी, उसके मुताबिक भारत ने अपनी सीमा कालापानी नदी के झरनों तक मानी थी और नेपाल ने उसे इस नदी के किनारों तक मानी है। ऐसा नहीं है कि भारत और नेपाल मिल बैठ कर इस विवाद को सुलझा नहीं सकते। पर चीन नेपाल को ऐसा करने नहीं दे रहा। नेपाल को यह समझना चाहिए कि भारत से बिगाड़ कर उसे कुछ हासिल नहीं होने वाला। जितनी जरूरत भारत को नेपाल की है, उससे कहीं ज्यादा नेपाल को भारत की जरूरत है।

विश्व इतिहास की पहली महिला योद्धा थीं वीरांगना रानी दुर्गावती

माना जाता है कि विश्व इतिहास में रानी दुर्गावती पहली महिला है जिसने समुचित युद्ध नीति बनाकर अपने विरूद्ध हो रहे अन्याय के विरोध मे मुगल साम्राज्य के विरूद्ध शस्त्र उठाकर सेना का नेतृत्व किया और युद्ध क्षेत्र मे ही आत्म बलिदान दिया .रानी दुर्गावती के मदन महल के दर्शन किये हैं कभी आपने ? एक ही शिला को तराश कर यह वाच टावर , छोटा सा किला जबलपुर में पहाड़ी के उपर बनाया गया है . इसके आस पास अप्रतिम नैसर्गिक सौंदर्य बिखरा पड़ा है . रानी दुर्गावती सोलहवीं शताब्दि की वीरांगना थीं, उनके समय तक गौंड़ सेना पैदल व उसके सेनापति हाथियो पर होते थे , जबकि मुगल सेना घोड़ो पर सवार सैनिको की सेना थी . हाथी धीमी गति से चलते थे और घोड़े तेजी से भागते थे , इसलिये जो मुगल सैनिक घोड़ो पर रहते थे वे तेज गति से पीछा भी कर सकते थे और जब खुद की जान बचाने की जरूरत होती तो वो तेजी से भाग भी जाते .किंतु पैदल गौंडी सेना धीमी गति से चलती और जल्दी भाग भी नही पाती थी विशाल, सुसंगठित, साधन सम्पन्न मुगल सेना जो घोड़ो पर थी उनसे जीतना संख्या में कम, गजारोही गौंड सेना के लिये कठिन था, फिर भी जिस तरह रानी दुर्गावती ने अकबर की दुश्मन से वीरता पूर्वक लोहा लिया, वह नारी सशक्तीकरण का अप्रतिम उदाहरण है . तीन बार तो रानी ने मुगल सेना को मात दे दी थी , पर फिर फिर से और बड़ी सेना लेकर आसफ खां चढ़ाई कर देता था . 93 वर्षीय सुप्रसिद्ध कवि गीतकार एवं लेखक प्रो चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध की एक रचना है ''गौडवाने की रानी दुर्गावती जिसमें उन्होनें दुर्गावती का समग्र चित्रण किया है ।

ईश्वर को जरुरत पर ही क्यों याद किया जाता है

अंकिता जैन अवनी
अशोकनगर मप्र

हम मनुष्यों की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि हम सुख और वैभव में मस्त हो कर उस ईश्वर को, जिसने हमें यह सब दिया है, धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। जब सुख हमारे पास होता है तो हमें भगवान की याद नहीं आती, क्योंकि हमें उसकी जरूरत नहीं होती। पर जब दुख सिर पर मंडराने लगता है जब हम तंगहाली और लाचारी में जीवन जी रहे होते हैं, तो हमें ईश्वर की याद आती है,दिन-रात सबकुछ ठीक हो जाये और भगवान की कृपा दृष्टि हम पर बनी रहे,हम यही मांगते हैं और ईश्वर को याद करते हैं क्योंकि प्रस्तुत परिस्थिति में हमें उसकी जरूरत होती है। अब मुद्दे की बात पर आऊं, चाहे हम माने या न माने पर हमने अपनी जरूरत के हिसाब से ईश्वर को महत्व दिया है। सुख में ईश्वर का क्या काम, तो उसकी चर्चा क्यों करें, उसके दिखाये रास्ते पर क्यों चले, ईश्वर है ही कौन, उसके वजूद पर भी सबाल उठाये जा सकते हैं। पर जब सुख चला जाता है और दुख जीवन में प्रवेश करने लगता है तब हम इतने अधीर हो जाते हैं कि ईश्वर से लड़ते-झगड़ते है, उसे कोसते हैं और जब लगता है कि अब कोई नहीं सुनेगा तो उसी ईश्वर को अपना दुखड़ा सुना कर,मदद की गुहार लगाते हैं। सोचती हूं जब भगवान ये सब देखता होगा तो उसे अपने बनाई इस मानवीय रचना पर शक तो होता होगा,वह सोचता तो होगा ही की

क्या यह मेरी ही संतानें हैं जो खाने में नमक के जैसे मेरा इस्तेमाल करती है, जैसे नमक हमेशा जरुरत के हिसाब से डाला जाता है वैसे ही ईश्वर को भी जरुरत के हिसाब से याद किया जाता है। ईश्वर वह महाशक्ति है जिसने न केवल हमें बनाया है अपितु समय-समय पर हमें संभाला भी है। उसे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम उसके अस्तित्व को स्वीकार करें या अस्वीकार करें। क्योंकि वो पालनहार है उसका तो कार्य ही अपने बच्चों का पालना-पोषण करना है। पर यदि हमें उस ईश्वर से जुड़ना है और अपने आपको एक काबिल इंसान बनाना है तो हमें अपने स्वार्थ को त्यागना होगा और उस ईश्वर पर विश्वास करके सच्चे मन से उसके दिखाये रास्ते पर चलना होगा। यकीन मानिए ऐसा करने से हम तो ईश्वर से जुड़ेंगे ही,वो भी हमसे जुड़ जायेगा। और तब हमें सुख और दुख के बीच में उपस्थित हमारा जीवन भी सही मायने में समझ आ जायेगा। जिंदगी बेहद खूबसूरत है, हां उतार-चढ़ाव से भरी हुई है पर उतार-चढ़ाव हमें तकलीफ़ देने नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका सिखाने आते हैं। तो बिना इनसे घबराये,उस ईश्वर पर विश्वास कर केवल अपना कर्म कीजिए, कुछ बनें या न बनें एक नेक इंसान जरूर बन जायेंगे।

मैं समय अनन्त हूँ

मैं आदि हूँ ,मैं अन्त हूँ
राख में ज्वलंत हूँ
मैं शीत हूँ , बसन्त हूँ
मैं समय ...अनन्त हूँ

रात दिन धरा चले
सृष्टि की भुजा हिले
व्योम के शीर्ष पर
घनन घनन गदा चले

चल अचल विराट हूँ
हिम का मैं ललाट हूँ
धरे दिशाएं हाथों में
केदार का कपाट हूँ

नगर डगर है झूमता
चक्र मेरा घूमता
हर कण में मैं स्वतंत्र हूँ
मैं समय....अनन्त हूँ

सिंह सा निडर हूँ मैं
मृत्यु सा अजर हूँ मैं
आदि का मैं अंत हूँ
मैं समय...अनन्त हूँ

सब कुछ है मुझमे डोलता
न बोल के मैं बोलता
सनन सनन हवाओं से
परत परत मैं खोलता

लावा सा मैं दहक रहा
अग्नि सा भभक रहा
शांत में हुड़दंग हूँ
मैं समय ..अनन्त हूँ

मैं शब्द हूँ मैं श्लोक हूँ
मैं हर्ष हूँ मैं शोक हूँ
जिसे न कोई काटता
मैं मृत्यु सा अमोघ हूँ

मैं भूत , वर्तमान हूँ
भविष्य का निशान हूँ
थाह कोई न पा सके
मैं गूढ़ सा वो ज्ञान हूँ

मैं नंग हूँ , धड़ंग हूँ
रंग में बेरंग हूँ
काव्य में मैं छंद हूँ
मैं समय..अनन्त हूँ

मैं दृश्य हूँ अदृश्य हूँ
सूक्ष्म हूँ मैं विश्व हूँ
रथों में सूर्य के जुता
जो दौड़ता वो अश्व हूँ

मैं पहाड़ हूँ पठार हूँ
मैं अम्ल हूँ मैं क्षार हूँ
बदल के रूप जन्मता
अमूर्त कलाकार हूँ

मैं राग हूँ मैं द्वेष हूँ
इस भुवन का वेग हूँ
स्वयं से ही स्पंद हूँ
मैं समय...अनन्त हूँ

मैं विकास हूँ विनाश हूँ
इस ÷मैं÷ का सर्वनाश हूँ
पहर पहर मैं लीलता
मैं काल में अवकाश हूँ

मैं चेत हूँ , अचेत हूँ
सागर में फैली रेत हूँ
दृश्य है किरण में जो
उस वर्ण में मैं श्वेत हूँ

मैं सौम्य हूँ , प्रचण्ड हूँ
निर्माण में विध्वंस हूँ
शिव का मैं भुजंग हूँ
मैं समय...अनन्त हूँ

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
लखनऊ

जल

जल ही जीवन है
जल ही अमृत है
जल ही सृष्टि है
जल ही प्रलय है
जल ही आस है
जल ही सांस है
जल ही निरोगी है
जल ही भाप है
जल ही ओस है
जल ही बूंद है
जल ही बर्षा है
जल ही बर्फ है
जल ही कुआ है
जल ही तालाब है
जल ही नदी है
जल ही झील है
जल ही सागर है
जल ही ठोस है
जल ही द्रव्य है
जल ही गैस है
जल ही अनमोल रत्न है ।

राज कुमार साव
पश्चिम बंगाल

बिहार के लिए व्यक्ति नहीं, संपूर्ण विचार थे पूर्व मुख्यमंत्री स्व. डा.जगन्नाथ मिश्र

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्ण केन्द्रीय मंत्री स्वज़्डाज़्जगन्नाथ मिश्र राज्य के लिए एक राजनीतिक अभिवाहक, एक विचारक एक चिंतक जिन्हें सारी विषयों समस्याओ पर मजबूत पकड़ थी,स्वंय में एक आदर्श विचार थे।उनका आज हम सब के बीच न होना एक रिक्तयां पैदा करता है।वह राजनीतिक गलियारे में भी वैसे ही थे जैसे एक आम लोगो में, वे शख्सियत ही ऐसे थे जो सभी के दिलों में बसते थे।वे जीवन पर्यन्त सभी को राह दिखाते रहे।बिहार के दिग्गज नेताओं ने कई बार इसे सार्वजनिक मंचो से स्वीकार भी किया है। वे स्वभाव के धनी और मिलनसार व्यक्ति थे।वे जीवन पर्यन्त जन-कल्याण के लिए समर्पित रहे।यही कारण है कि उनके घोर विरोधी भी उनका नाम लेते थे और इज्जत करते थे। इन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी में से एक माना जाता रहा। अपने सभी कार्य-कर्ताओं को उम्र के अंतिम पड़ाव तक बतौर नाम से जानते और पहचानते रहे जो इनकी याददाश्त लेवल को दर्शाता है। इनके बारे में लोग यही कहते है जिनसे एक बार मिल लेते थे उसे वे वर्षो बाद भी नाम के साथ पहचान लेते थे।जो उनकी शख्सियत को बढ़ाता चला गया। इन्होंने कुल 5 बार लगातार (1972, 1977, 1980, 1985, 1990) मधुबनी के झंझारपुर विधानसभा से चुनाव जीता और तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री बने 75 -77, 80-83, 89-90, तक। उन्होंने बिहार के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदानो को चाहकर भी नही भुलाया जा सकता।संस्कृत स्कूल मदरसा,स्कूलो और कालेजो का सरकारी करण उनके मुख्यमंत्रीत्व काल में बड़े पैमाने पर हुए जो आज भी शिक्षा के मूल आधार है।शिक्षको की नियुक्ति और वेतनमान का ग्रेड भी उन्ही के द्वारा दी गयी शिक्षकों को भी कलेक्टर के दर्जे का तनख्वाह तक पहुंचाया।जिसके कारण उस समय की शिक्षा आज की शिक्षा से बेहतर मानी जाती है।उर्दू को द्वितीय राजभाषा में शामिल करना ।उर्दू शिक्षकों टायपिस्टो की नियुक्ति करना उनकी दूरगामी सोच और समरसता पूर्ण व्यवहार को दर्शाता है।वे जाति की नही वरन पूरे समाज के लिए कार्य करते थे।ऐसे महानविभूषित का इस कोरोना काल में न होना एक शून्य पैदा कर रहा है।सम्पूर्ण बिहार को वे अपने लेखो प्रलेखो चिठ्ठीयो और विज्ञप्तियों के जरिये सदा संदेश देते रहे।उनके विचारो से राज्य के सभी दल लाभान्वित होते रहे थे।सभी के प्रति उनका स्नेह मन भावन था और सभी उनको अभिवाहक की तरह मानते थे।कभी भी इन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नही किया। उन्होंने अपने जीवन काल में बहुत सी किताबें भी लिखी जो बिहार की विभिन्न समस्याएँ, अर्थशास्त्र की कई शोध पत्र और बिहार की उत्थान से जुड़ी हुई है।उन्हें लिखने और पढ़ने में बड़ी रूचि थी।जीवन के अंतिमकाल में भी वे प्रेस विज्ञप्ति देते रहे।ऐसे महान विचारक का आज न होना बिहार की राजनीति के लिए अपूरनीय क्षति मानी जा रही है।

आशुतोष

जन्म दिन विशेष-

24 जून 1937 जन्म
19 अगस्त 2019 मृत्यु

जीवन का लक्ष्य और कश्मकश

जीवन का लक्ष्य क्या है ? यह बड़ी कश्मकश की बात हैं। इसका जो भी उत्तर होगा वह शायद सही हो सकता है परंतु सम्पूर्ण नहीं ! वैसे तो जीवन से महत्वपूर्ण कुछ नहीं पर जीवन से शक्तिशाली मृत्यु होती है क्यूँकि यह एक इकलौती ऐसी घटना है जो जीवन के हर पड़ाव पर किसी भी मोड़ पर सत्य होने की प्रवत्ति रखती है !

जब जीवन मिलता है तभी हर साँस के साथ बस एक बात तय होती है , और वह है मृत्यु!!

अरविंद द्विवेदी

मैं थोड़ा और समझाने की कोशिश करता हूं , जैसे एक गाड़ी का ख़ुद में क्या लक्ष्य है ... ? कुछ भी नहीं , परंतु हम उस में बैठकर कही पहुँच सकते है , तो अगर हमारा पहुँचना लक्ष्य है तो गाड़ी केवल साधन बन सकती है , लक्ष्य नहीं !!

इसी प्रकार शायद मेरा ये कहना कतई ग़लत नहीं होगा कि जीवन बस एक मात्र साधन है लक्ष्य नहीं !

अंत में जीवन का लक्ष्य अंत ही है और मज़े की बात तो यह है कि हर इंसान अपने लक्ष्य के पीछे भाग रहा है उस लक्ष्य को नाम दे दिया गया है कामयाबी का और साधन बन गए है व्यापार, इंजीनियर, डाक्टर ,ऑफ़िसर आदि !

लेकिन हम मनुष्य इस बात को समझते ही नहीं कि कामयाबी नामक लक्ष्य और इस कामयाबी के साधन जीवन और मृत्यु के सामने बेहद छोटे है !! मृत्यु किसी का लिहाज़ नहीं करती बात ज़्यादा पुरानी नहीं है ... सभी को याद होगा आज से 2-3 महीने पहले हम सभी काम काज कामयाबी और व्यापार के पीछे भाग रहे थे अचानक यह महामारी का दिव्य रूप सामने आया और सभी के रास्ते बदल गए आज सब भाग रहे है जीवन को बचाने के लिए । तो क्या मेरा ऐसा कहना सही होगा कि जीवन का लक्ष्य केवल मृत्यु को टालना है!!

जीवन का अगर लक्ष्य होता तो आज सारा विश्व अपने जीवन की रक्षा को ही क्यू लक्ष्य बना लेते ?आज अब कोई यह बात नहीं कर रहा कि हमें क्या बनना है या इस साल में कितना कामना है हर तरफ़ बस एक ही चर्चा है कि इस महामारी से ख़ुद की और अपने परिवार की रक्षा कैसे करनी है ।

शायद ये महामारी का दृश्य इसीलिए ही सामने आया है ताकि सभी को याद आ जाए कि इस दुनिया में सब नश्वर है और केवल जीवन और मृत्यु ही शाश्वत है !! इन्हें जब भी घटित होना होगा ये होते रहेंगे और इन्हें कोई भी नहीं रोक सकता !!

हर रोज़ हम धीमे धीमे मरते है और मरने की इस क्रिया को हम जीवन समझ लेते है !

रोज़ रोज़ वही सब दोहराना,वही सुबह उठना फिर सो जाना,वही भोजन,वही कपड़े,वही काम,वही संघर्ष और जीवन में निरंतर चलने वाली अनेक कश्मकश, कुछ ऐसी भी जिनके उत्तर नहीं होते,हर तरफ़ हलचल मचा देने वाली जीवन की कश्मकश वाली लहरे!!

जी हाँ,मन की एक गहरी सी लहर होती है कश्मकश और इसकी सबसे बड़ी मुश्किल चुनौती होती है - ख़ुद के विचारो को सहेज कर क़ाबू में रखना , ख़ुद को एकत्रित रखना और बिखरने ना देना ।

यह शक्ति हमारे भीतर ही होती है और यही बात हमें बाक़ी जीव जंतु से अलग बनाती है ।

एक कश्मकश, एक पहेली हर किसी की ज़िंदगी में हर समय चलती रहती है ।

जीवन से मृत्यु तक के इस सफ़र में , एक कश्मकश ही तो है जो इंसान की सबसे वफ़ादार साथी होती है ।

कश्मकश और यह जीवन काफ़ी बार डराता है,रुलाता है,लेकिन तब सवाल मन में ये नहीं होना चाहिए कि ये उलझने क्यू , बल्कि यह होना चाहिए की उसको सुलझाया कैसे जाए ,

काफ़ी दफ़ा हम देख नहीं पाते , जिस तरह एक पेड़ की उलझी हुई टहनियो में भी बहुत से फल होते है,बिलकुल इसी तरह ज़िंदगी के इस सफ़र में और हर कश्मकश में कुछ बेहद अच्छा और बेहतरीन छिपा होता है !

बस धैर्य रखना चाहिए,कश्मकश की इन लहरो के थम जाने तक। लेकिन ये वक्त ये किनारे तक का रास्ता तय करने का है।हाँ , ये वक़्त ज़रा मुश्किल होगा पर आसानी से तो जीवन भी नहीं मिलता तो फिर इसका सफ़र कैसे आसान हो सकता है ...!

अंत में यही कहूँगा ,जीवन से क़ीमती कुछ नहीं है और मृत्यु से शक्तिशाली भी कुछ नहीं है ... !

अंत में अंत ही होना है इसीलिए दु:ख,दर्द ,वेदना ,ज़िंदगी की रोज़ की भाग दौड़ से और हर कश्मकश के बीच में से वक़्त निकालिए थोड़ा स्वयं के लिए, अपनो के लिए , ख़ुश रहिए , ज़िंदगी को मुस्कुरा कर जीए ...!

कामयाबी इस ज़िंदगी के सफ़र में बहुत ज़रूरी है परंतु उसे हासिल करने की दौड़ में ज़िंदगी जीना ना भूले..

चरित्र छिपाते चेहरे

आजकल उस पर अपनापन छाया है।
लगता है फिर चेहरे पर चेहरा लगाया है।।

उसके अपनेपन से,तूने हर बार धोखा खाया है।
क्या करें , उसने गिरगिट जैसा हुनर जो पाया है।।

वो जल से निश्छल रंग को भी बदल देता है।
उसने मयखाने की मय का हुनर जो पाया है।।

बता मुझे तू कैसे बचेगा उसकी अय्यारी से,
उसके हुनर से तो आईना भी ना बच पाया है।

वो जो कहते है कि आईना झूठ बोलता ही नही,
उन्हें जाकर जरा ये समझा दे कोई,
झूठा मुखोटा चेहरे का,आईना भी ना हटा पाया है।

अब चैन से जीना है तो तू भी रंग बदलना शीख ले,
सीधे-साधे लोगो को तो सबने बेवकूफ ही बताया है।

जो आजकल तेरे काँधे पर हाथ रख साथ चल रहा है।
ध्यान से देख,उसने दूसरे हाथ मे छुरा छुपाया है।।

किसी भी पल वो तेरी पीठ में छुरा घोप सकता है।
उसने हर बार की तरह चेहरे पर चेहरा लगाया है।।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद

राखी सावंत ने शहनाज के पापा पर साधा निशाना

मुंबई । राखी सांवत ने शहनाज गिल के पिता संतोख सिहं पर ?निशाना साधा है। दरअसल, कुछ दिनों पहले संतोख सिहं ने राखी पर कमेंट कर कहा था कि ÷मैं अपनी बेटी को कटरीना कैफ से राखी सांवत नहीं बनाना चाहता। मैं अपनी बेटी को ऐसे शो में काम करने नहीं दूंगा न ही ऐसे शो में शादी करने दूंगा। बता दें ?कि हालांकि शहनाज गिल बिग बॉस के बाद ÷मुझसे शादी करोगे÷ के स?वयंवर में दिखाई दे रही हैं। हालां?कि अब राखी सांवत ने चुप्पी तोड़ी और शहनाज गिल के पिता को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा ?कि ÷संतोख सिंह तुम्?हें मैं ये बता दूं कि तुम्?हारी बेटी मेरे नक?शे कदम पर चल रही है। वो पंजाब की राखी सावंत है। तुम उसकी तुलना कटरीना कैफ से कैसे कर सकते हो। वे कभी कटरीना नहीं बन सकतीं हैं। मेरा नाम इज्?जत के साथ लो। मैं बहुत मेहनत से इस मुकाम तक पहुंची हूं।÷ राखी सावंत ने आगे कहा ?कि ÷मैं प्रियादर्शन, यशराज और राकेश रोशन जैसे नामी लोगों के साथ काम किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा ?कि ÷मुझे शहनाज की तरह माता पिता का भी सहारा नहीं मिला था।÷ बता दें ?कि इससे पहले राखी सावंत एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने कहा था ?कि ÷अरे स?वयंवर हो रहा है क?या? ये लोग मेरी कॉपी क?यों मारते हैं। मुझसे पूछे बगैर स?वयंवर हो रहा है। ये नाइंसाफी है। नाम-टाइटल सब चेंज कर दिया है। अच?छा, शहनाज गिल का स?वयंवर हो रहा है। मैं सबको यह कहना चाहती हूं कि शहनाज बहुत अच?छी लड़की हैं। बहुत इनोसेंट हैं। मैं जब शुरुआत में आई थी, इस इंडस?ट्री में तो मैं भी बिल?कुल ऐसी ही थी। ऑल द बेस?ट टू शहनाज। मैं खुश हुं कि स?वयंवर फिर से आ रहा है। देखतें हैं, शहनाज किसे सेलेक?ट करती हैं।÷

रंगोली चंदेल के घर जल्द फिर गूंजेगी किलकारी

मुंबई । बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की बहन रंगोली चंदेल के घर जल्द ही ?किलकारी गूंजने वाली हैं। दरअसल, रंगोली चंदेल ने खुशखबरी दी है। जल्द ही वो भी अपने दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। इसकी जानकारी रंगोली चंदेल ने ट्वीट कर दी है। रंगोली ने ट्विटर पर ये खुशखबरी शेयर करते हुए लिखा ?कि मेरा एक बच्चा है, फिर भी मैं और मेरे पति एक बच्ची को गोद लेना चाहते हैं। मैं कपल्स को बच्चा गोद लेने के लिए प्रोत्साहित करूंगी, बजाय सरोगेसी के. इसके जरिए उन बच्चों को घर दिलाएं जो पहले से ही इस दुनिया में हैं और उनका ख्वाब भी पूरा हो जो पैरेंट बनना चाहते हैं।÷ रंगोली ने आगे लिखा ?कि ÷मेरी बहन ने हमें प्रेरित किया है। अजय और मैंने सारी फॉर्मेलिटी पूरी कर ली हैं। कुछ ही महीनों में हमारे घर नन्ही परी आने वाली है, जिसका नाम कंगना ने ÷गंगा÷ रखना तय किया है। खुशकिस्मत हूं कि मैं एक बेटी को घर दिलाने के काबिल हूं।÷ बता दें ?कि रंगोली का एक बेटा है, जिसका नाम पृथ्वी है और कंगना अपनी बहन के बेटे के काफी करीब हैं। कंगना और पृथ्वी की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर दिखाई देती हैं। बता दें कि हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस ?शिल्पा शेट्टी का एक बेटी की मां बनने की खबर दी थी, ?जिसने सभी को हैरान कर दिया था। शिल्पा शेट्टी की ये बेटी एक सरोगेट चाइल्ड है।

सोनम ने की तापसी की बढ़ाई

अभिनेत्री सोनम के. आहूजा ने अभिनेत्री तापसी पन्नू की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तापसी पुरानी

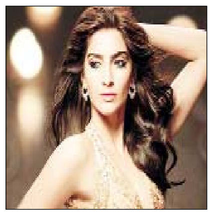

सामाजिक अवधारणाओं को तोड़ने वाली महिला हैं। सोनम ने ट्विटर पर लिखा, ÷मुझे तापसी बहुत पसंद है, वह अवधारणाओं को तोड़ती हैं।÷ इस ट्वीट की प्रतिक्रिया में तापसी ने कहा, ÷बहुत-बहुत शुक्रिया सोनम। आप बहुत प्यारी हैं। हम सभी को सालों से चली आ रही अवधारणा को तोड़ना है, जिसमें हम फंसे हुए हैं।÷फिल्म %नीरजा% की अभिनेत्री की यह प्रतिक्रिया तापसी पन्नू की आगामी फिल्म थप्पड़% की रिलीज के पहले आई है। इस फिल्म में पवैल गुलाटी, कुमुद मिश्रा, रत्ना पाठक शाह, तन्वी आजमी, दिया मिर्जा और राम कपूर भी हैं।

टाइगर श्रॉफ के साथ इस तरह की फिल्म करना चाहती हैं श्रद्धा कपूर

मुंबई । फिल्म ÷बागी 3÷ में श्रद्धा कपूर और टाइगर श्रॉफ एक बार फिर से लोगों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। लोग उन दोनों की पर्दे पर केमिस्ट्री देखने के लिए फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में श्रद्धा कपूर ने बताया कि टाइगर श्रॉफ के पास न केवल ऐक्शन बल्कि ह्यूमर साइड भी है। ऐक्ट्रेस ने बताया कि टाइगर श्रॉफ एकमात्र ऐसे ऐक्टर है जो अपने ऐक्शन वाले रोल से फिल्म ÷बागी 3÷ को आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टाइगर श्रॉफ कितना अनुशासित हैं। ऐक्टर के ऐक्शन को लेकर प्यार पर भी श्रद्धा कपूर ने बात की। इसके साथ ही कहा कि उनका फनी साइड भी और उनके साथ कॉमिडी फिल्म में काम करना चाहेंगी। बता दें ?कि श्रद्धा कपूर और टाइगर श्रॉफ इस समय अपनी फिल्म ÷बागी 3÷ के प्रमोशन में बिजी हैं। बता दें कि ÷बागी÷ फ्रैंचाइजी की सेकंड इंस्टॉलमेंट में टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा पाटनी भी थीं। अब तीसरी इंस्टॉलमेंट में भी दिशा होंगी उनका इसमें कैमियो रोल होगा। अहमद खान के निर्देशन में बनी फिल्म ÷बागी 3÷ में श्रद्धा कपूर और टाइगर श्रॉफ के अलावा रितेश देशमुख, विजय वर्मा, अंकिता लोखंडे भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

बहन ईशा को लेखिका बनने पर अभय ने दी बधाई

अभिनेता अभय देओल ने इंस्टाग्राम पर अपनी बहन ईशा देओल के ले??खिका बनने पर बधाई दी है। ईशा देओल ने अपनी पहली किताब ÷अम्मा मिया÷ के साथ लेखन के क्षेत्र में हाथ आजमाया है। अभय ने लोगों को उनकी इस नई किताब के बारे में बताया है। किताब के कवर की एक तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा ?कि ÷मेरी बेबी सिस ने नई माताओं व उनके बच्चों के लिए अपनी पहली किताब लिखी है। तुम पर बेहद गर्व है ईशा। मां बनने का ये जो वक्त है वह रोमांचक होने के साथ बेहद नाजुक भी है। आप चाहें कितनी ही तैयारियां क्यों न कर लें, लेकिन कई बार भ्रामक परिस्थितियों, सुझाव जैसी कई चीजों का सामना करना पड़ ही जाता है। राध्या और मिराया के जन्म के बाद ईशा ने भी इन सवालों का सामना किया।÷ अभय ने आगे कहा ?कि ÷इसमें कई तरह की सलाहें, टिप्स और कहानियां हैं। इसके साथ ही बच्चों के लिए आसान व स्वादिष्ट कई रेसिपी भी हैं। इस ?किताब में एक महिला के मां बनने के पूरे सफर को दर्शाया गया है। यह काफी ज्ञानवर्धक है जिसे आसानी से फॉलो किया जा सकता है। इस किताब से नई माताओं को अपने बच्चे की परवरिश के दौरान आने वाली तमाम उतार-चढ़ावसे निपटने में मदद मिलेगी।

फातिमा सना शेख अब मराठी किरदार में

मुंबई । बालीवुड की सुपरहिट फिल्म %दंगल% में गीता फोगट का रोल करने वाली ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख अब मराठी किरदार में नजर आने वाली हैं। फातिमा अपनी आने वाली फिल्म %सूरज पे मंगल भारी% में एक मराठी महिला का रोल प्ले करेंगी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आने वाली फिल्म में अपने लुक की पहली तस्वीर पोस्ट की है। इस साल के अंत तक रिलीज होने वाली फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ मनोज बाजपेयी, दिलजीत दोसांज भी नजर आएंगे। यह फिल्म एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म होगी जो 90 के दशक में मुंबई के एक परिवार की कहानी पर आधारित है। वैलंटाइंस डे के दिन पहला लुक पोस्ट करते हुए सना ने लिखा, %यह मराठी लड़की पड़ेगी सब पर भारी। सूरज पे मंगल भारी से पहला लुक। आप सभी को हैपी वैलंटाइंस डे। यहां पर बस प्यार ही रहने दीजिए।% सना के अलावा फिल्म में उनके को-स्टार मनोज बाजपेयी ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो लगाया जिसमें वह फातिमा सना, नेहा पेंडसे और सुप्रिया पिलगावकर के साथ एक ट्रेन में बैठे हैं। फिल्म को अभिषेक शर्मा डायरेक्ट और शरीक पटेल के साथ मिलकर सुभाष चंद्रा प्रड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग 6 जनवरी से शुरू हुई थी और उम्मीद है कि मार्च 2020 तक खत्म हो जाएगी। फिल्म इस साल के आखिर में रिलीज होने की खबरें हैं। यहां बता दें कि साल 2016 में फोगट बहनों पर बनी आमिर खान की फिल्म %दंगल% में सना ने गीता फोगट का रोल किया था, जिसे लोगों ने काफी पंसद किया था।

अनामिका निभाएंगी नकारात्मक भूमिका

अभिनेत्री अनामिका कदंब टेलीविजन धारावाहिक ÷विद्या÷ में नकारात्मक भूमिका निभाएंगी। ?अना?मिका एक अलग तरह का किरदार निभाने पर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा ?कि ÷मैं कार्यक्रम में रंजना नामक एक नकारात्मक भूमिका निभा रही हूं। पहली बार मैं किसी नकारात्मक किरदार को निभा रही हूं, क्योंकि मुझे हमेशा सकारात्मक भूमिकाएं ही मिली हैं। रंजना दबंग, बेबाक और निडर है। यह मेरे लिए बिल्कुल नया है।÷ इसके अलावा धारावा?हिक ÷विद्या÷ में अपने किरदार को लेकर उन्हें जिस तरह की प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, अनामिका ने उनके बारे में भी बात कीं। उन्होंने कहा ?कि ÷मैं प्रतिक्रियाओं से अभिभूत हूं। अब मुझे कुछ और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की तलाश है जैसे कि कोई खेल व्यक्तित्व या महिलाओं पर केंद्रित कुछ या किसी मशहूर व्यक्तित्व की बायोपिक इत्यादि।÷ बता दें ?कि धारावा?हिक ÷विद्या÷ का प्रसारण कलर्स टीवी पर होता है।

माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 4 मीटर कम हुई

बीजिंग। चीन ने माउंट एवरेस्ट की चोटी को एक बार फिर से नाप लिया है 27 दिन तक चले सर्वेक्षण में दुनिया की सबसे ऊंची माउंट एवरेस्ट की चोटी को नापने के बाद चीन ने जानकारी दी है। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई पिछले माप की तुलना में 4 मीटर कम हो गई है। तिब्बत के रास्ते चीन के 8 सदस्यों ने माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई को नापने का काम किया है। 8844. 43 मीटर ऊंचाई बताई गई है। जबकि इसके पहले नेपाल के रास्ते जो ऊंचाई मापी गई थी। उसमें 8848.13 मीटर थी। इनका कहना है पिछली बार नेपाल के रास्ते माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई की सही तरीके से गणना नहीं हो पाई थी। चीन सरकार का यह छठवां प्रयास था।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने धरती से 11 बिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित सुपर रेयर गैलेक्सी की ली तस्वीर

न्यूयॉर्क। ब्रह्माण्ड में 100 अरब से ज्यादा गैलेक्सी अस्तित्व में है, जो बड़ी मात्रा में तारे, गैस और खगोलीय धूल को समेटे हुए है। गैलेक्सियों ने अपना जीवन लाखों वर्ष पूर्व प्रारम्भ किया और धीरे धीरे अपने वर्तमान स्वरूप हासिल किया, लेकिन अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने पहली बार धरती से 11 बिलियन प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित कास्मिक रिंग ऑफ फॉयर जैसे दिखने वाले एक सुपर रेयर गैलेक्सी की तस्वीर ली है। वैज्ञानिकों ने इस गैलेक्सी को आर 5519 नाम दिया और बेहद अद्भुत बताया है। इस गैलेक्सी के केंद्र में एक छेद है जो पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी की तुलना में दो बिलियन गुना अधिक बड़ा है। कहा जा रहा है कि यह मिल्की वे की तुलना में 50 गुना तेजी से नए तारे बना रहा है। प्रसिद्ध नेचर एस्ट्रोनॉमी मैगजीन में बताया गया है कि इस गैलेक्सी की पहचान ब्रह्मांड में सबसे पहले बनने वाले कोलाइज़ल रिंग गैलेक्सी के रूप में की गई है। ऑस्ट्रेलिया के एआरसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑल स्काई एस्ट्रोफिजिक्स के प्रमुख शोधकर्ता डॉ टिएंटियन युआन ने कहा कि यह एक बहुत ही उत्सुकता पैदा करने वाली खोज है, इसे हमने पहले कभी नहीं देखा है। इस गैलेक्सी की खोज अमेरिका के हवाई में स्थित डब्ल्यूएम केक आब्जर्वेटरी के डेटा के आधार पर हबल स्पेस टेलीस्कोप के द्वारा की गई है। इस परियोजना पर पहले काम करने वाले प्रोफेसर केनेथ फ्रीमैन ने भी इसे महत्वपूर्ण खोज बताया है। माना जाता है कि ब्रह्माण्ड में 100 अरब से ज्यादा गैलेक्सी अस्तित्व में है। जो बड़ी मात्रा में तारे, गैस और खगोलीय धूल को समेटे हुए है। गैलेक्सियों ने अपना जीवन लाखों वर्ष पूर्व प्रारम्भ किया और धीरे धीरे अपने वर्तमान स्वरूप को प्राप्त किया।

चीन विवाद के बीच भारत को अमेरिका का झटकार

वाशिंगटन । चीन से चल रहे सीमा विवाद के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को झटका देते हुए एच1बी वीजा पर साल 2020 के अंत तक प्रतिबंध की घोषणा कर दी। ट्रंप की इस घोषणा की वजह से दुनिया भर के 2.4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे। कोरोना महामारी के चलते नौकरियां गंवा चुके लाखों अमेरिकी लोगों की मदद के लिए यह कदम उठाया गया है और इसका सबसे ज्यादा नुकसान भारत के आईटी प्रोफेशनल्स को होगा। अमेरिका में काम करने के लिए एच1बी वीजा पाने वाले सबसे ज्यादा आईटी प्रोफेशनल्स भारतीय होते हैं। यह आदेश 24 जून से लागू होगा। इस फैसले का असर कई भारतीय प्रोफेशनल्स के साथ ही कई अमेरिकी और भारतीय कंपनियों को प्रभावित करेंगी, जिन्हें 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष 2021 के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा एच1बी वीजा जारी किए गए थे। अब उन्हें स्टैम्पिंग के लिए अमेरिकी राजनयिक मिशनों में संपर्क करने के लिए कम से कम इस साल के अंत तक इंतजार करना होगा।

यह बड़ी संख्या में उन भारतीय प्रोफेशनल्स को भी प्रभावित करेगा जो अपने एच1बी वीजा का नवीनीकरण चाह रहे थे। कोरोना संकट की वजह से अमेरिका में बढ़ी बेरोजगारी दरों के चलते कई कंपनियों ने एच1बी वीजा पर रोक लगाए जाने की मांग की थी। एच1बी वीजा के अलावा कई अन्य श्रेणियों के वीजा पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। ग्रेट अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए लगाए गए वीजा प्रतिबंध को लेकर माना जा रहा है कि इससे दुनिया के विभिन्न हिस्सों के 2.4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हो सकते हैं। मगर, इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय आईटी पेशेवरों को होगा।

मेक्सिको में कोरोना से एक दिन में 500 से ज्यादा लोगों की मौत

न्यू मेक्सिको । अमेरिका से सटे देश मैक्सिको में कोरोना के तांडव से कोहराम मचा हुआ है। मैक्सिको के स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि कोरोना वायरस संक्रमण से एक दिन में 501 लोगों की मौत हुई और पहली बार यह आंकड़ा 500 से पार चला गया है। मंगलवार को संक्रमितों की संख्या भी सबसे ज्यादा सामने आई। यहां 3,455 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। देश में संक्रमण के अब तक 74,560 मामलों की पुष्टि हो चुकी है और 8,134 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि संक्रमितों की संख्या काफी ज्यादा हो सकती है क्योंकि देश में जांच की दर काफी कम है। मैक्सिको में रोजाना मृतकों की संख्या अब अमेरिका के करीब पहुंच रही है जो कि लगभग 620 है।

इमरान की लापरवाही से कोरोना से निपटने में पाकिस्तान फेल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में कोरोना वायरस से निपटने के लिए स्?मार्ट लॉकडाउन के नाम पर अपनी तारीफ करने वाले इमरान खान को करारा झटका लगा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि दुनिया भर की स्थानीय सरकारें वर्तमान कोविड -19 संकट के मामले में सबसे आगे आकर काम कर रही थीं, लेकिन पाकिस्तान में ये संस्थान एक हद तक अपने नागरिकों से कटे हुए थे। पाकिस्?तान में कोरोना वायरस के करीब दो लाख मामले सामने आए हैं और 3600 लोगों की मौत हो गई है। यूएनडीपी ने कहा कि शासन शैली ऊपर से नीचे की ओर प्रतिक्रियाशील और आधिकारिक हैं। उनका कारोबार खासा प्रभावित हुआ है। यह भी कहा गया कि चिकित्सा

पाकिस्तान में महामारी को रोकने पर्याप्त प्रयासों के बावजूद परिणाम खराब रहे हैं। ट्रेडर्स और बिजनेसमैन, संघीय सरकार के एकतरफा फैसलों से असंतुष्ट हैं क्योंकि इससे स्वास्थ्य पेशेवरों को पीपीई ?किट की अनुपलब्धता और परीक्षण ट्रैकिंग में एक कुशल प्रणाली की कमी, इसके प्रबंधन की खामियों को उजागर कर रहे हैं। आबादी का गरीब वर्ग चिंतित हैं क्योंकि उन्होंने अपनी आजीविका खो दी है। कई लोग दैनिक मजदूरी पर निर्भर हैं। एक रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि ऐसा माना जाता है कि चुनी हुई स्थानीय सरकारों को सरकार और आबादी के बीच एक प्रभावी सेतु बनाना चाहिए था, ताकि वर्तमान स्थिति में नागरिकों को सरकारी फैसलों पर भरोसा न खोना पड़ता। हालांकि देश में एक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना है लेकिन इस महामारी ने बताया है कि स्थानीय सरकारों को जिला आपदा प्रबंधन जैसी मजबूत आपातकालीन प्रबंधन प्रणालियों की भी आवश्यकता है।

एयरस्पेस का उल्लंघन करने पर भारत के जासूसी क्वॉडकॉप्टर को मार गिराया, पाक ने किया दावा

इस्लामाबाद। भारतीय सीमा पर खुद सीजफायर उल्लंघन करने वाले पाकिस्तान ने भारत के ऊपर जासूसी ड्रोन भेजने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसकी सीमा में दाखिल हुए भारतीय ड्रोन को मार गिराया गया है। ऐसा पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने ऐसा आरोप लगाया है और भारत पहले भी इसका खंडन कर चुका है। गौरतलब है कि पिछले साल बालाकोट में की गई एयरस्ट्राइक के बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और भारत को घेरने के मौके ढूंढा करता है। पाकिस्तान सेना ने बुधवार को दावा किया है कि उसने नियंत्रण रेखा के पास एयरस्पेस का उल्लंघन करने पर भारत के एक %जासूसी क्वॉडकॉप्टर% को मार गिराया है। सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने बताया कि घटना राखचिकरी सेक्टर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत का जासूसी क्वॉडकॉप्टर पाकिस्तान की सीमा में 650 मीटर तक अंदर दाखिल हो गया था जब उसे मार गिराया गया। इससे पहले अप्रैल में भी पाकिस्तान सेना ने ऐसा ही दावा किया गया था। पिछले साल बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। खासकर जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा लेने के बाद वह और ज्यादा खीझा हुआ है। उसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई बार भारत की किरकिरी करने की कोशिश की है। उसने भारत पर इस्लामोफोबिया का आरोप लगाया है और लद्दाख में अवैध निर्माण का आरोप भी लगाया है।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक चीन सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान अपनी मांगे बताते हुए।

हांगकांग में राष्ट्रगान विधेयक के विरोध में सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी

हांगकांग। हांगकांग में राष्ट्रगान संबंधी विधेयक पर संसद में चर्चा के बीच हजारों प्रदर्शनकारियों ने लोकतंत्र समर्थक नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। हांगकांग की संसद में उस विधेयक पर चर्चा की गई जिसके लागू होने से इस अर्द्ध स्वायत्त शहर में चीन के राष्ट्रगान का अपमान करना अपराध के दायरे में आ जाएगा। संसद की इमारत के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे और उन्होंने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए चेतावनी दी कि वहां से नहीं हटने पर उनके खिलाफ मामला चलाया जा सकता है। केंद्रीय व्यावसायिक क्षेत्र में उन्होंने प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया और कई लोगों की तलाशी ली। खरीदारी के लिए मशहूर कॉजवे बे में 50 से अधिक लोग एकत्रित हो गए और एक शॉपिंग मॉल के बाहर बैठ गए जबकि दंगा रोधी पुलिस ने गश्त लगाई और काली मिर्च का छिड़काव करने से पहले उन्हें वहां से हटने के लिए चेतावनी भी दी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने पत्रकारों को भी चेतावनी दी कि कालीमिर्च का छिड़काव करते हुए उनका वीडियो न बनाएं। हांगकांग पुलिस की फेसबुक पोस्ट के मुताबिक अनधिकृत रूप से इकट्ठा होने पर करीब 300 लोगों को शहर से गिरफ्तार किया गया है।

न्यू ओरलियंस के एक कॉलेज में मास्क में अपनी तस्वीर खींचते हुए छात्र और अतिथि।

यमन और ईरान समर्थित हूथी वि?द्रोहियों पर शक

रियाद में ड्रोन और मिसाइल से हमला

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मंगलवार अल सुबह कई ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए हैं। रियाद में रात को कई धमाके और सायरन की आवाज सुनी गई। सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास ने रियाद पर संभावित मिसाइल या ड्रोन हमले की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि यह हमला रियाद की इमारत पर किया गयाबताया जा रहा है कि ये हमले ईरान और यमन समर्थक हूथी विद्रोहियों ने किए हैं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है। अमेरिकी दूतावास ने अपने बयान में कहा कि यदि लोगों धमाकों की आवाज सुनें तो कहीं पर छिप जाएं। अगर आप एक इमारत में रहते हैं तो खिड़की

और दीवारों से दूर रहें। अगर आप बाहर हैं तो तत?काल सुरक्षि?त जगह पर चले जाएं। दूतावास के इस अप्रत?याशित बयान के बाद इस बात की पुष्टि हो गई कि रियाद पर हमला हुआ है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि हूथी विद्रोही रियाद में अभी और हमले कर सकते हैं। इससे पहले सऊदी अरब ने सोमवार को यमन में हूथी वि?द्रोहियों के कई ड्रोन हमलों को विफल कर दिया था। अरब गठबंधन के प्रवक?ता कर्नल तुर्की अल मलिकी ने कहा कि हूथी वि?द्रोहियों ने ड्रोन की मदद से नागरिक और नागरिक इलाकों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। उन?होंने कहा कि इन हमलों को विफल कर दिया गया है।

नाइजीरिया के वैज्ञानिकों ने भी किया कोरोना वैक्सीन बनाने का दावा

अबूजा। कोरोना वायरस से दुनिया को बचाने के लिए वैज्ञानिक दिन-रात इस वैश्विक महामारी का वैक्सीन बनाने में जुटे हुए हैं। कई देशों के वैज्ञानिकों ने दावा भी किया है कि उन्होंने कोरोना वायरस की वैक्सीन बना ली है। लेकिन, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी तक कोई भी ऐसी वैक्सीन नहीं बनी है जिसे कोरोना वायरस वैक्सीन का नाम दिया जा सके। इस बीच नाइजीरिया के वैज्ञानिकों ने भी दावा किया है कि उन्होंने कोरोना वायरस की वैक्सीन की खोज कर ली है। कोरोना वायरस को लेकर गठित नाइजीरियन यूनिवर्सिटीज के वैज्ञानिकों के दल यह जानकारी दी। जानकारी के मुता?बिक मेडिकल वायरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी एंड बायोइनफॉरमैटिक्स के विशेषज्ञ और रिसर्च टीम के प्रमुख डॉ ओलाडिपो कोलावोल ने कहा कि इस वैक्सीन को अफ्रीकी लोगों के लिए अफ्रीका में स्थानीय स्तर पर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मार्केट में इस वैक्सीन के उपलब्ध होने में अब भी 18 महीनों का समय लगेगा। क्योंकि मरीजों पर प्रयोग से पहले इस वैक्सीन को कई स्तर के ट्रायल से गुजरना पड़ेगा। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर सोलोमन एडबोला ने कहा कि हमे खुशी है कि एक ऐसी वैक्सीन आ गई है जो कोरोना वायरस जैसी वैश्विक समस्या से लोगों को छुटकारा दिलाएगी।

अमेरिकी ओपन

व्हीलचेयर स्पर्धा को शामिल करने पर संशय

न्यूयॉर्क । कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए इस साल अमेरिकी ओपन टेनिस में व्हीलचेयर स्पर्धा को शायद ही शामिल किया जाए। अमेरिकी ओपन के आयोजकों ने कहा है कि वह इस साल का कार्यक्रम जारी करने से पहले व्हीलचेयर खिलाड़ियों से एक बार बात करेंगे। आयोजकों ने साथ ही कहा है कि वह इसके बाद अपने फैसले पर एक बार फिर विचार कर सकते हैं। इससे पहले अमेरिका टेनिस संघ (यूएसटीए) ने व्हीलचेयर टेनिस नेतृत्व से बात की और कहा कि अमेरकी ओपन का कार्यक्रम जारी करने से पहले उन्हें व्हीलचेयर खिलाड़ियों के साथ मिलना चाहिए था। अमेरिकी ओपन का आयोजन 31 अगस्त से 13 सितंबर के बीच में होना है। यूएसटीए ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक बयान में कहा, 'यूएसटीए खिलाड़ियों और आईटीएफ के साथ मिलकर व्हीलचेयर स्पर्धा के लिए संभावित विकल्पों पर काम कर सकता है।'उन्होंने कहा, 'यूएसटीए खिलाड़ियों से उनके विचार मांगेगी और आईटीएफ के साथ मिलकर 2020 संस्करण में व्हलीचेयर स्पर्धा को लेकर काम करेगी।' इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के डायलन एल्कोट ने व्हीलचेयर स्पर्धा को टूर्नामेंट में शामिल न करने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

अंडरटेकर ने डब्लू डब्लू ई को अलविदा कहा

लंदन । रेसलर अंडरटेकर ने तीन डब्लू डब्लू ई में दबदबे के बाद आंखिरकार इसे अलविदा कह दिया । अंडरटेकर ने अपनी डॉक्यूमेंट्री के आखिरी एपिसोड में ही प्रशंसकों संकेत दिये थे कि उनका रिंग में वापसी का कोई इरादा नहीं है। इसके बाद ही ट्विटर पर अंडरटेकर के नाम से हैशटैग टैंड करने लग गया। जिसके बाद फैंस मे उनके लम्बे करियर के लिए बधाई दी है। अंडरटेकर के नाम रेसलमेनिया का एक खास रिकॉर्ड भी है। लगभग दो दशक तक अंडरटेकर एक भी मैच नहीं हारे। अंडरटेकर ने अपने करियर के 20 मैच लगातार जीते थे। अपने करियर में अंडरटेकर लगभग 75.5 फीसद मैच जीते हैं। इस रेसलर ने कुल 2274 मैच में से 1717 जीते हैं और सिर्फ 466 हारे हैं। एय रेसलर रिंग में अपने अंदाज़ के लिए जाना जाता था। जब अंडरटेकर की रिंग में एंट्री होती तो चारों ओर घना अंधेरा हो जाता था। अंडरटेकर के इसी अंदाज के लोग कायल रहे।

रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज राजिंदर नहीं रहे

मुम्बई । रणजी ट्रॉफी क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर राजिंदर गोयल का निधन हो गया है। राजिंदर 77 साल के थे और कैंसर से पीड़ित थे। राजिंदर ने अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुल 750 विकेट लिए थे। गोएल ने अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में हरियाणा और पंजाब की ओर से खेला था। रणजी में गोयल के नाम कुल 637 विकेट हैं हालांकि इतनी सफलता के बाद भी उन्हें भारतीय टीम की ओर से खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। इस स्पिनर को 1974-75 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी। पूर्व दिग्गज स्पिनर बिशन सिंह बेदी ने राजिंदर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह मुझसे ज्यादा बेहतर गेंदबाज था पर उसे राष्ट्रीय टीम में अवसर नहीं मिल पाया। बेदी भी बायें हाथ के ही स्पिन थे जिसके कारण राजिंदर को अवसर नहीं मिल पाया। राजिंदर को सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी मिला। वह 44 साल की उम्र तक खेलते रहे थे। बेदी के अलावा कई अन्य क्रिकेटरों ने भी राजिंदर के निधन पर ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। कपिल देव की कप्तानी में हरियाणा ने जब 1991 में मुंबई को हराकर रणजी ट्राफी जीती थी तब गोयल उसकी चयनसमिति के अध्यक्ष थे। एक बार गोयल से पूछा गया कि क्या उन्हें इस बात का दुख है कि बेदी युग में होने के कारण उन्हें भारत की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिला तो उन्होंने कहा, ''जी बिलकुल नहीं। बेदी बहुत बड़े गेंदबाज थे।

मानसिक रुप से मजबूत बने रहें क्रिकेटर : पाटिल

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल ने खिलाड़ियों से कहा है कि वे कोरोना महामारी के इस दौर में अपना मनोबल बनाये रखें। इसके साथ ही अपनी फिटनेस बनाये रखें ताकि जब भी क्रिकेट शुरु हो उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न आये। पाटिल ने कहा कि इस कठिन समय में सभी खिलाड़ियों को अपनी मानसिक क्षमता को भी मजबूत बनाये रखना होगा। साथ ही कहा कहा, ''आपको धीमी शुरुआत करनी होगी और तय करना होगा कि आपका ध्यान पूरी तरह से चोट मुक्त वापसी कर रहे।।'' पाटिल ने 1983 विश्व कप फाइनल में वेस्टइंडीज की मजबूत टीम के खिलाफ भारत की जीत का उदाहरण देते हुए कहा कि इस मैच से साबित होता है कि मानसिक मजबती से कैसे मैच जीते जा सकते हैं।उन्होंने कहा, ''विश्व कप 1983 के फाइनल में हमारे 183 रन पर सिमटने के बाद हमने सोचा था कि हमारी जीत की संभावना खत्म हो गई है पर दूसरी पारी के लिए मैदान पर पैर रखने से पहले हम सभी ने हार नहीं मानने का फैसला किया और बाकी सब कुछ इतिहास बन गया।''पाटिल ने कहा, ''तब के समय में गोर्डन ग्रिनिज, विव रिचर्ड्स जैसों बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना आसान काम नहीं था पर हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने पर था इसलिए हम ऐसा कर पाए। इसलिए मानसिक रूप से परिपक्व होना क्रिकेटर ही नहीं बल्कि सभी खिलाड़ियों के लिए सबसे अहम है।'

कोरोना वायरस से इराक के दिग्गज फुटबॉलर अहमद राढी की मौत

बगदाद । कोरोना वायरस के कारण इराक के दिग्गज फुटबॉलर अहमद राढी का निधन हो गया है। राढी के निधन की घोषणा से इराकी खेलप्रेमियों में शोक की लहर छा गयी। राढी 56 वर्ष के थे और उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। इराकी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह फुटबॉलर कोरोनो वायरस से संक्रमित था। मंत्रालय के अनुसार, उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसके बाद ही उन्हें पिछले सप्ताह अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 जांच के परिणाम पॉजिटिव पाये गये। गुरुवार को उनकी स्थिति में सुधार हुआ पर इसके बाद फिर उनकी हालत बिगड़ने लगी। जिससे उनकी जाना बचायी नहीं जा सकी। राजधानी बगदाग में राढी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लोगों ने एक जुलूस भी निकाला। स्थानीय मीडिया आउटलेट्स पर जारी किए गए वीडियो फुटेज में दर्जनों पुरुषों को एक एम्बुलेंस के चारों चलते दिख रहे हैं।

हॉकी इंडिया ने कोच, तकनीकी अधिकारियों के लिए रखी खुली आवेदन प्रक्रिया

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने इस बार देश भर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए खुली आवेदन और पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने कहा, %कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए आवेदन और पंजीकरण के खुला मंच तैयार करने का लाभ यह है कि कोई भी इससे हॉकी इंडिया सदस्य पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन कर पाएगा।'उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि आवेदन और पंजीकरण के लिए खुला मंच उपलब्ध होने से पंजीकरण प्रकिया आसान होगी और इससे हॉकी इंडिया और उसके सदस्यों को देश भर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के साथ काम करने का शानदार अवसर मिलेगा।' हॉकी इंडिया के अनुसार, कोच या तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी संबंधित हॉकी इंडिया सदस्य इकाई में पंजीकरण करवाने के इच्छुक उम्मीदवार को एक लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। उम्मीदवार द्वारा आवेदन जमा करने के बाद, उसे संबंधित हॉकी इंडिया पंजीकृत सदस्य इकाई के अनुमोदन की आवश्यकता होगी। एक बार जब हॉकी इंडिया के सदस्य इकाई आवेदन को मंजूरी दे देते हैं, तो आवेदन को कोच या तकनीकी अधिकारी के पंजीकरण से पहले हॉकी इंडिया की अंतिम स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

पेट्रोल और डीजल हुआ महंगा

मुंबई । लॉकडाउन में ढील के बाद पिछले 16 दिन से लगातार पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। पिछले 16 दिनों में पेट्रोल 8.30 रुपए और डीज़ल 9.22 रुपए महंगा हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की। दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 33 पैसे महंगा होकर 79.56 प्रति लीटर हो गया है। वहीं, डीजल की कीमत में 58 पैसे की बढ़ोतरी से अब इसकी कीमत 78.85 रुपए प्रति लीटर हो गई। मुंबई में पेट्रोल 86.36 रुपए प्र ?ति लीटर और डीजल 77.24 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 82.87 रुपए प्रति लीटर, डीजल 76.30 रुपए प्रति लीटर और हैदराबाद में पेट्रोल 82.59 रुपए प्रति लीटर और डीजल 77.06 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

तीन रेंज वाले स्मार्टफोन लॉन्च करेगी माइक्रोमैक्स

फिलहाल आधिकारिक घोषणा नहीं

नई दिल्ली। भारत की स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी माइक्रोमैक्स तीन रेंज वाले स्मार्टफोन पेश करने वाली है। माइक्रोमैक्स कंपनी भारत और चीन के बिगड़ते रिश्तों और चीनी सामान के बॉयकॉट की मांग के बीच धमाकेदार वापसी की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि कंपनी तीन अलग-अलग रेंज वाले स्मार्टफोन लॉन्च करने जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोमैक्स के इन तीन फोन में से एक बजट स्मार्टफोन होगा, जो प्रीमियम फीचर्स और मॉडर्न लुक के साथ आएगा। माइक्रोमैक्स ने फिलहाल आधिकारिक घोषणा तो नहीं की है, हालांकि एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसके संकेत जरूर दिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोमैक्स के ये नए स्मार्टफोन अगले महीने तक आ सकते हैं। कंपनी के ये फोन 10 हजार रुपये से कम कीमत के होंगे। इसके अलावा कंपनी प्रीमियम फीचर्स वाले एक नए स्मार्टफोन पर भी काम कर रही है। कंपनी ने ट्वीट करके बताया कि यह फोन बजट फ्रैंडली और मॉडर्न लुक वाला होगा। बता दें कि माइक्रोमैक्स कभी भारत की नंबर 1 स्मार्टफोन कंपनी थी। साल 2014 की तीसरी तिमाही में तो कंपनी दुनिया की दसवीं सबसे बड़े स्मार्टफोन कंपनी बन गई थी। हालांकि चीन की कंपनी शाओमी के आ जाने के बाद से माइक्रोमैक्स पिछड़ती चली गई। बता दें कि कंपनी ने अपना आखिरी स्मार्टफोन पिछले साल अक्टूबर में लॉन्च किया था। यह माइक्रोमैक्स आईवन नोट स्मार्टफोन था, जिसकी कीमत 8,199 रुपये थी। हाल ही में एक यूजर ने ट्वीट कर माइक्रोमैक्स से पूछा था कि कंपनी कब वापसी कर रही है। इसके जवाब में माइक्रोमैक्स ने रिप्लाई किया, %तैयार हो जाओ, हम जल्द ही कुछ बड़ा लेकर आ रहे हैं।

मुरार नदी के जीर्णोद्धार एवं रिवर फ्रंट का कार्य किया जायेगा

नमामि गंगे प्रोजेक्ट के संचालक ने प्रशासन के साथ किया निरीक्षण

ग्वालियर। ग्वालियर की मुरार नदी के जीर्णोद्धार एवं रिवर फ्रंट का कार्य किया जायेगा। भारत सरकार के नमामि गंगे विभाग के दल ने मंगलवार को रमौआ डैम से जडेरूआ डैम तक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कैशलेन्द्र विक्रम सिंह, एडीएम श्री किशोर कन्याल, जल संसाधन विभाग, नगर निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। नमामि गंगे विभाग के संचालक डॉ. प्रवीण एवं उनकी टीम के साथ विभागीय अधिकारियों ने मुरार नदी के जीर्णोद्धार और रिवर फ्रंट के लिये रमौआ डैम से भ्रमण प्रारंभ करते हुए मुरार नदी के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और अंत में जड़ेरूआ डैम को भी देखा। भ्रमण के पश्चात कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं विभागीय अधिकारियों के साथ मुरार सर्किट हाउस में बैठक हुई। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नमामि गंगे प्रोजेक्ट के संचालक डॉ. प्रवीण से कहा कि मुरार नदी के जीर्णोद्धार के लिये डीपीआर तैयार की जाना है। विभाग की ओर से इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के साथ-साथ डीपीआर बनाने में भी सहयोग किया जाए। प्रशासन की ओर से डीपीआर के लिये सभी प्रकार का सहयोग दिया जायेगा। मुरार नदी की डीपीआर तैयार होने के पश्चात राज्य शासन को स्वीकृति हेतु भेजकर कार्य कराया जा सकेगा। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के डायरेक्टर डॉ. प्रवीण ने भ्रमण के दौरान मुरार नदी के संबंध में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। रमौआ से जड़ेरूआ तक कुल 12 किलोमीटर लम्बाई की नदी का जीर्णोद्धार एवं रिवर फ्रंट तैयार करने के लिये पूर्व में तैयार किए गए प्रोजेटक्ट के संबंध में भी उन्होंने विस्तार से जानकारी प्राप्त की। सभी जानकारियां प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने कलेक्टर को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जायेगी। इसके साथ ही डीपीआर तैयार करने के लिये भी जो आवश्यक कार्रवाई है उसे तत्परता से किया जायेगा।

ईको सेंसेटिव जोन का जोनल प्लान तैयार होगा

मॉनीटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन बोर्ड ईको सेंसेटिव जोन का जोनल प्लान तैयार करेगा। भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन बोर्ड द्वारा ईको सेंसेटिव जोन का जोनल प्लान तैयार करने हेतु एक मॉनीटरिंग समिति गठित की है। संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति जोनल प्लान तैयार करने की कार्रवाई करेगी। संभाग आयुक्त श्री एम बी ओझा की अध्यक्षता में मंगलवार को मोतीमहल के मानसभागार में मॉनीटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मास्टर प्लान तैयार करने के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक में कलेक्टर ग्वालियर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, कलेक्टर शिवपुरी श्रीमती अनुग्रह पी, मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक माधव नेशनल पार्क श्री वाय पी सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग शिवपुरी श्री बी एस गुर्जर, वैज्ञानिक मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गुना श्री जे के राजौरिया सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन बोर्ड ईको सेंसेटिव जोन का मास्टर प्लान तैयार करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की मंशा के अनुरूप मास्टर प्लान तैयार करने का कार्य तत्परता से किया जाए। मास्टर प्लान तैयार करने के कार्य में सभी संबंधित विभाग समन्वित रूप से कार्य करें ताकि निर्धारित समय-सीमा में मास्टर प्लान तैयार किया जा सके। कलेक्टर शिवपुरी श्रीमती अनुग्रह पी ने माधव नेशनल पार्क एवं सोन चिरैया अभ्यारण्य के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मास्टर प्लान तैयार करने में माधव नेशनल पार्क के संचालक द्वारा भी अपने सुझाव रखे गए। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने बैठक में कहा कि मास्टर प्लान तैयार करने के लिये समयबद्ध कार्यक्रम बनाया जाए। निर्धारित समय के अनुरूप कार्य हों, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक भी नियमित की जायेंगीं ताकि शासन की मंशा अनुरूप मास्टर प्लान तैयार करने का कार्य तय सीमा में पूर्ण किया जा सके।

भारत रक्षा मंच कार्यालय पर नए पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

अर्पित गुप्ता

ग्वालियर। भारत रक्षा मंच के माधवनगर स्थित जिला कार्यालय पर मंच के नवनिर्मित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजि रमेश चन्द्र गुप्ता थे ।अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र गुप्ता ने की । कार्यक्रम का संचालन संभागीय अध्यक्ष मनोज पांडे ने किया ।इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र चौहान, जिला उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल ,भानु चौहान , जिला मंत्री हनी गुप्ता ,विशाल गुप्ता आदि का स्वागत किया गया ।सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने चीन के सामान के बहिष्कार का संकल्प लिया।

लेखनी व नर्मदा को अब सभी 'बैंक सखी' कहकर बुलाते हैं

ग्वालियर। लेखनी शिवहरे व नर्मदा मौर्य अपने-अपने गाँव में अब ÷बैंक सखी÷ के नाम से जानी जाती हैं। इन्हें यह पहचान वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिये लागू किए गए लॉकडाउन के समय मिली। लॉकडाउन में जब सब कुछ बंद था तब ऐसे समय में ये दोनों महिलायें बैंक बनकर लोगों के घरों तक पहुँचीं और गाँव की महिलाओं को बैंक की तरह धन मुहैया कराया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूह से जुड़ीं श्रीमती लेखनी शिवहरे ग्वालियर जिले के ग्राम कल्याणी और श्रीमती नर्मदा मौर्य ग्राम समूदन में वीएलई (विलेज लेवल एंटरप्रोन्योर) के रूप में काम कर रही हैं। ये दोनों महिलायें अपने-अपने क्षेत्र के नागरिक सुविधा केन्द्र के माध्यम से ग्रामीणों को 100 से अधिक सेवायें मुहैया करा रही हैं। जिसमें रूपयों का लेन-देन, बिजली बिल भुगतान, आधार पंजीयन, फूड लायसेंस पंजीयन, आयुष्मान भारत कार्ड, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड इत्यादि सेवायें शामिल हैं। डिजी-पे के जरिए लेखनी व नर्मदा अब अपने गाँव की अन्य महिलाओं के खाते में पैसा जमा कराने व निकलवाने के काम को भी अंजाम दे रही हैं। हर माह लगभग 2 लाख रूपए का लेन-देन इन महिलाओं द्वारा कराया जा रहा है। ग्वालियर जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 82 महिलाओं को वीएलई के काम के लिये चिन्हित किया गया है। इनमें से 17 महिलाओ को प्रशिक्षित किया जा चुका है। जल्द ही ये महिलायें भी लेखनी और नर्मदा की तरह बैंक सखी की भूमिका में नजर आयेंगीं। लेखनी शिवहरे व नर्मदा मौर्य ने निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण कर नागरिक सुविधा केन्द्र का प्रमाण-पत्र हासिल किया है। नागरिक सुविधा केन्द्र से जुडकर ये दोनों सफलतापूर्वक पुरूषों की तरह वीएलई का काम कर रही हैं। महिलाओं की कम संख्या के लिये जाने-जाने वाले ग्वालियर-चंबल अंचल में लेखनी व नर्मदा अन्य महिलाओं के लिये प्रेरणा स्त्रोत बनी हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने किया डीडीआरसी भवन एवं वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

ग्वालियर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर एवं निर्माणाधीन डीडीआरसी भवन का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने मंगलवार को निरीक्षण किया। उन्होंने डीडीआरसी भवन परिसर में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराने के निर्देश कार्य एजेन्सी को दिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा द्वारा किए गए वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के समय सोशल डिस्टेंसिंग एवं कोरोना गाइडलाईन का पालन करते हुए एक रहवासी महिला की शादी की रस्म हो रही थी। उन्होंने वर ङ्क वधु को सुखद दाम्पत्य जीवन की बधाई दी। श्री वर्मा ने वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और इस सेंटर के नए भवन का निर्माण शुरू कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर संयुक्त संचालक महिला-बाल विकास श्री राजीव सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

26 जून से चेम्बर भवन में एवं 27 जून से मुरार में उद्योग आधार एवं रोजगार सेतु पोर्टल पर निशुल्क पंजीयन केन्द्र का होगा शुभारंभ

उद्योग आधार का पंजीयन पूर्णतः निशुल्क है यदि कोई इसके पंजीयन का शुल्क ले रहा है तो वह अवैधानिक है : महाप्रबंधक डीआईसी-अरविन्द कुमार बोहरे

ग्वालियर। एमएसएमई के आधार पंजीयन के संबंध में आज एक बैठक का आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के महाप्रबंधक श्री अरविन्द कुमार बोहरे उपस्थित थे। मंथन कार्यक्रम की श्रंखला में आयोजित उपरोक्त बैठक में सर्वप्रथम चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल द्वारा तुलसी का पौधा भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। आपने इस अवसर पर कहा कि लॉकडाउन अवधि में चेम्बर ने अपनी महती भूमिका अदा की है। चेम्बर ने मंथन कार्यक्रम के माध्यम से छोटी-छोटी सभायें कर, व्यापार एवं उद्योग की समस्याओं को जाना और उनके निराकरण का भरसक प्रयास किया। आपने कहा कि आज का मंथन कार्यक्रम भी एमएसएमई के लिए केन्द्र सरकार द्वारा की गई घोषणाओं की जानकारी एवं भ्रांतियों को दूर करने हेतु आयोजित किया गया है। हमारे अनुरोध पर पधारे महाप्रबंधक-डीआईसी-श्री अरविन्द कुमार बोहरे जी एवं उपस्थित उद्यमियों का मंथन कार्यक्रम में हार्दिक स्वागत है। संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने कहा कि एमएसएमई का देश की जीडीपी में 30 प्रतिशत का योगदान है और लगभग 80 प्रतिशत रोजगार एमएसएमई सेक्टर देता है। केन्द्र सरकार द्वारा एमएसएमई के दायरे को बढाया गया है तो इसमें कौन सी इकाईयां एमएसएमई में रजिस्टर्ड हो सकती हैं, उनकी विस्तार से जानकारी प्रदान करें ताकि इकाई संचालक इसका लाभ ले सकें। उपाध्यक्ष-पारस जैन ने कहा कि एमएसएमई के पंजीयन हेतु शुल्क को लेकर भ्रांतियां हैं इसलिए डीआईसी को इस पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा केन्द्र सरकार द्वारा एमएसएमई के लिए जो नये पैरामीटर जारी किये हैं, उसके तहत म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा इसमें शामिल होने जा रही इकाईयों के लिए एक पंजीयन केन्द्र चेम्बर भवन में एवं एक मुरार में प्रारंभ करना चाहता है, इसके लिए डीआईसी का सहयोग आवश्यक है साथ ही, पंजीयन हेतु जो शुल्क को लेकर भ्रांतियां कृपया वह भी स्पष्ट करें। साथ ही, आपने कहा कि संधारण शुल्क में एक प्रावधान यह भी है कि यदि किसी क्षेत्र विशेष की औद्योगिक एसोसिएशन स्वयं ही अपने क्षेत्र का संधारण शासन से न कराते हुए स्वयं करना चाहे तो उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक-श्री अरविन्द कुमार बोहरे ने कहा कि भारत सरकार द्वारा एमएसएमई के दायरे को बढाया गया है। अब इसमें मैन्युफेक्चरिंग के साथ ही सर्विस सेक्टर को भी शामिल किया गया है। आपने बताया कि सूक्ष्म इकाईयों के लिए पूंजी निवेश की सीमा 25 लाख से बढाकर 1 करोड़ की गई है तथा टर्न ओवर 5 करोड़ रूपये किया गया है। यह इकाईयां सूक्ष्म श्रेणी में आयेंगी। पूंजी निवेश से आशय-प्लांट एंड मशीनरी तथा बिल्डिंग में निवेश है। लघु उद्योगों के लिए पूंजी निवेश की सीमा 10 करोड़ तथा टर्नओवर को 50 करोड़ रूपये किया गया है। वहीं मध्यम उद्योगों के लिए पूंजी निवेश 20 करोड़ तथा टर्नओवर 250 करोड़ होगा। इस ग्वालियर अंचल के अधिकांश उद्योग अब एमएसएमई श्रेणी में आ गये हैं। वहीं नई इकाई की स्थापना पर सरकार द्वारा पूंजी निवेश में अधिकतम 43त्न की सब्सिडी दी जा रही है। यह चार किश्तों में चार साल में दी जायेगी। वह इकाईयां जो मैन्युफेक्चरिंग व सर्विस सेक्टर में उक्त मानकों को पूरा करती हैं वह एमएसएमई में पंजीयन यानि उद्योग आधार पंजीयन करा सकती है। पंजीयन पूर्णत- निशुल्क है और यह घर बैठे अपने लैपटॉप से भी किया जा सकता है। यदि इस पंजीयन का कोई शुल्क ले रहा है तो वह पूर्णत- अवैधानिक है। साथ ही आपने इस संबंध में डीआईसी द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी किये जाने की भी घोषणा की। आपने कहा कि उद्योग आधार पंजीयन हेतु केवल बैंक की एकाउंट डिटेल जिसमें आईएफसी कोड, पेन नंबर, आधार कार्ड साथ ही यदि उद्यमी चाहे तो एमएसएमई का पुराना नंबर भी डाल सकते हैं। आपने इस अवसरपर कहा कि राज्य सरकार द्वारा रोजगार सेतु पोर्टल बनाया गया है जिसमें लगभग 8 हजार अप्रवासी मजदूरों द्वारा अपना पंजीयन कराया गया है। इसलिए प्रत्येक एमएसएमई इकाई को अपनी इकाई का पंजीयन भी इस पर अवश्य करना चाहिए इससे आपको अपनी आवश्यकतानुसार स्किल्ड के श्रमिक प्राप्त होने में सुविधा होगी। साथ ही इस अवसर पर आपने अवगत कराया कि डीआईसी द्वारा बिरलानगर इण्डस्ट्रियल एरिया के विकास हेतु 3.54 करोड़ की लागत से विकास कार्य कराये जा रहे हैं। आपने चेम्बर की मांग पर 26 जून को चेम्बर भवन में 12 बजे उद्योग आधार पंजीयन केन्द्र का शुभारंभ करने हेतु अपनी सहमति देते हुए कहा कि इस हेतु डीआईसी की तरफ से भावेश शर्मा प्रतिदिन उपस्थित रहेंगे और चेम्बर की सहायता करेंगे। दिनांक 2। जून को मुरार में चेम्बर द्वारा उद्योग आधार पंजीयन केन्द्र का शुभारंभ किया गया जायेगा। इन दोनों ही केन्द्रों पर उद्योग आधार पंजीयन एवं रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीयन एकदम निशुल्क होगा। बैठक में पूर्व मानसेवी संयुक्त सचिव-जगदीश मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य-मयूर गर्ग, विपुल गुप्ता,सीए अजय सिंघल, संजय धवन सहित उद्यमी सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, रमेश झा, आदेश बंसल, दिलीप जैन, सत्यप्रकाश शुक्ला दीपक बिन्दल आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा तथा आभार संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल द्वारा किया गया।

निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478